हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार, 28 दिसंबर 2025

11 अटल के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान

12 भतीजा ही निकला 39 लाख की लूट का मास्टर माइंड

SANSKARAM GROUP OF SCHOOLS

THE TIMES OF INDIA
Awarded with
Times School Survey
award 2025-26

Presents

10th ALL INDIA OLYMPIAD

Sanskaram Olympiad
Applicable for 3rd to 10th

Visionary Vertex
Applicable for Nur. to 2nd

Time
10 AM to 12 PM

Registration Fee
100/-

VENUE : Sanskaram Public School, Khatiwas
Sanskaram International School, Patauda

Class	1st Prize	2nd Prize	3rd Prize	4th to 30th Prize	30th to 40th Prize
10th Class	Scooty	Laptop	Kindle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
9th Class	Laptop	Kindle	Kindle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
8th Class	Laptop	Kindle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
7th Class	Laptop	Kindle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
6th Class	Laptop	Kindle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
5th Class	Kindle	Cycle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
4th Class	Kindle	Cycle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
3rd Class	Kindle	Cycle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts

EXAM DATE
28th DECEMBER 2025

FREE TRANSPORT

Class	Subject (Equal Weightage to All subjects)	Marks	Duration
3rd to 5th Class	English\Maths\GK\EVS	60	60 Min.
6th & 8th Class	English\Maths\Science\ Aptitude Test	60	60 Min.
9th & 10th Class	Science (Physics,Chemistry, Bio)\Math	80	60 Min.

Visionary Vertex

Whirling With Young Talent And Creativity

COMPETITION DETAILS

NURSERY	Poem Recitation (in Hindi or Eng.) with proper gestures.
L.K.G	Story Telling (in Hindi or Eng.) with proper gestures.
U.K.G	Art & Craft Test and Hindi English Word Making
1st & 2nd	Written Test in English, E.V.S., Maths, G.K., and Reasoning.

SCAN FOR REGISTRATION

For Online Registration Visit www.sanskarampublicschool.com | www.sanskaraminternational.com

IIT-JEE Selections

99.98 %ile — Shubham S/o Kailash Dubaldhan
98.7 %ile Maths — Shubham S/o Ranbir Kheri Khummmar
98.59 %ile Maths — Tanishk S/o Naresh Charkhi Dadri
98.54 %ile Physics — Samir S/o Dharambir Hansi, Hisar
98.32 %ile Maths — Sushant S/o Deepak Vill - Rewari Khera
97.7 %ile Chemistry — Lavanya D/o Jitender Jhajjar
96.12 %ile Maths — PARIKSHIT S/o SHIV JHAJJAR
95.71 %ile Maths — Muskan D/o Govind Vill - Koelpur

95.1 %ile Physics — Arpit S/o Amarjeet Vill - Baghpur
93.2 %ile Chemistry — Takshika D/o Vijay Vill - Kabulpur
92.71 %ile Maths — Payal D/o Narender Vill - Dubaldhan
92.98 %ile Chemistry — Anuj S/o Sunil Kumar Baghpur
Selection in IIIT Bhopal — Tanishk S/o Naresh Charkhi Dadri
Selection in IIIT Bhopal — Samir S/o Dharambir Hansi, Hisar
Selection in IIT Rurkee — Tamanna D/o Mr. Bijender Village - Bhadana
Selection in NIT Delhi — Shubham S/o Kailash Vill : Dubladhan

India's Most Trusted School
for Integrated Classroom Programme
for Selection in IIT-JEE, NEET, NDA, MNS,
SSC,CUET,CLAT, CA, CS, ICMAI

NEET Selections

Vibhoo D/o Sanjeev Jhajjar
Vedika D/o Tarun Jhajjar
Lavanya D/o Jitender Jhajjar
Jyoti D/o Vedprakash Dujana
Hunny D/o Ramesh Imlota
Komal D/o Dalbir Jhajjar
Nidhi D/o Parambir Silana
Yogita D/o Surender Jhajjar
Selection in L. Hardinge Medical College, Delhi — Ishita D/o Pawan Gupta Jhajjar
Selection in Medical College, Faridabad — Vaibhav S/o Amit Jhajjar
Selection in PGIMS, Rohtak — Disha D/o Sudhir Vill : Koyalpur

ADMISSIONS OPEN
2026 - 27

Officially First Pilot !

Congratulations
for Clearing Your DGCA CPL Exam
Licensed Commercial Pilot | DGCA Certified | India
ROUNAK KUMAR
S/o Mr. Sandeep / Jhajjar

JHAJJAR CAMPUS : 8222889860,62
NH.334B, Main Dadri Road, Khatiwas, Jhajjar (Haryana)

PATAUDA CAMPUS : 9053007801,02
NH.352, Patauda, Near Kulana, Jhajjar (Haryana)

खबर संक्षेप

अखिल भारतीय सिविल सेवा टेबल-टेनिस स्पर्धा के ट्रायल पांच को

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि अखिल भारतीय सिविल सेवा टेबल-टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन 12

जनवरी से 16 जनवरी 2026 तक टेबल-टेनिस हॉल, सेक्टर-23 चंडीगढ़ में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए हरियाणा की पुरुष एवं महिला वर्ग की टीमों के चयन के लिए ट्रायल आगामी पांच जनवरी को करनाल में आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने जिले के पात्र सरकारी कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे निर्धारित तिथि पर ट्रायल में भाग लेकर जिले एवं राज्य का प्रतिनिधित्व करें। उन्होंने बताया कि ट्रायल एवं प्रतियोगिता में भाग लेने तथा आने-जाने से संबंधित समस्त व्यय संबंधित खिलाड़ी के विभाग द्वारा वहन किया जाएगा।

एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने मादक पदार्थ गांजा सहित एक आरोपी पकड़ा

झज्जर। एंटी नारकोटिक सेल की टीम द्वारा एक व्यक्ति को मादक पदार्थ गांजा सहित पकड़ा गया है। एंटीनारकोटिक सेल झज्जर प्रभारी दिनकर यादव ने बताया कि पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर तलाव रोड नजदीक पेट्रोल पंप से अनिल निवासी तलाव को शक की बिनाह पर काबू किया। पकड़े गये व्यक्ति नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से नशीला पदार्थ गांजा बरामद हुआ। जिसका वजन करने पर 120 ग्राम पाया गया। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज करते हुए आगामी कार्रवाई अमल में लाई गई है।

केंद्र सरकार व सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से अरावली क्षेत्र में खनन व कटाव बढ़ेगा

अरावली के समर्थन में लाइनपार सुभाष नगर में किया प्रदर्शन

प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने मेहनतकश भारतीयों से इस प्रकृति विरोधी निर्णय के विरुद्ध सड़कों पर उतरने का आग्रह किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। सुभाष नगर में प्रदर्शन करते संगठन के कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने शनिवार को लाइनपार के सुभाष नगर में सेव अरावली अभियान चलाया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 100 मीटर से कम ऊंचाई की पहाड़ियों को अरावली पर्वत श्रेणी से बाहर करने और उनमें खनन करने की अनुमति देने के फैसले का विरोध करते हुए निरस्त करने की मांग की।

संगठन के जिला कमेटी सदस्य रामकिशन ने कहा कि अरावली पर्वत श्रृंखला लगभग 800 किलोमीटर लंबी है। इसके प्रति हेक्टेयर बीस लाख लीटर भूजल पुनर्भरण की अपार क्षमता है। अपनी ऊंचाई के कारण यह एक प्राकृतिक डस्ट बैरियर है, जो थार मरूस्थल के फैलाव को रोकता है। जिससे मरूस्थलीय रेतीली हवाएं उत्तर भारत के मैदानों तक नहीं पहुंच पाती। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्णय के बाद यहां खनन और वनों की कटाई बढ़ेगी। पूरे दिल्ली एनसीआर में पीएम 10 और पीएम 2.5 जैसे प्रदूषक कण बहुत तेजी से बढ़ेंगे। दिल्ली हमेशा स्मॉग में घिरी रहेगी।

हरियाणा राजस्थान में आ सकती है अकाल की नौबत

रेगिस्तान फैलकर दिल्ली, गुजरात व हरियाणा तक आ जाएगा। यही पर्वत माला दक्षिणी पश्चिमी मानसून रोककर बारिश का पानी जमीन में पहुंचाती है। यदि ये अरावली खत्म हुई तो हरियाणा राजस्थान में अकाल की नौबत आ सकती है। एनसीआर का तापमान बढ़ जाएगा, इसके जंगल न हों तो शहरी इलाके और ज्यादा तपने लगेंगे। यह पर्वतमाला न हो तो तेंदुए, गीदड़, भेड़िये जैसे सैकड़ों जीव-जंतु और हजारों वनस्पतियां विलुप्त हो जाएंगी। बनास, लूणी, साहिबी जैसी अरावली की नदियां सूख जाएंगी। एमएसएस की नेत्री विद्या देवी ने बताया कि केंद्र में भाजपा सरकार का यह कदम पूरी तरह से जनविरोधी और कॉरपोरेट समर्थक है और समाज के सभी वर्गों के लोगों को एकजुट करके इसका विरोध किया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने मेहनतकश भारतीयों से इस प्रकृति विरोधी निर्णय के विरुद्ध सड़कों पर उतरने का आग्रह किया।

बहादुरगढ़। प्रिंसिपल डॉ. पूनम चौधरी के साथ विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

संस्कृति ज्ञान परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बाल विकास सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने गायत्री तीर्थ शांतिकुंज (हरिद्वार) द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्कूल डायरेक्टर एडवोकेट प्रवीण छिल्लर व प्रिंसिपल डॉ. पूनम चौधरी ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

घोषित परिणाम में 5वीं की जनक ने प्रथम, दिव्या ने द्वितीय तथा आयुष विश्वकर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छठी में वसवी प्रथम, देवयांशी द्वितीय व शिवांगी यादव तृतीय रहीं।सातवीं में समृद्धि ने प्रथम, साक्षी यादव ने द्वितीय और रितिका पांडेय ने तृतीय स्थान हासिल किया। आठवीं में सोनम ध्यानी ने प्रथम, सूरज रायखवार ने द्वितीय तथा हर्षिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नौवीं में अनन्या सिंह प्रथम, सोनाक्षी द्वितीय व अंजली कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। दसवीं में आंचल ने प्रथम तथा दीपिका ने द्वितीय तथा अंजली यादव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रिंसिपल डॉ. पूनम चौधरी ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी।

शोषित व गरीबों के लिए संजीवनी है गांधी दर्शनः विक्रम कादियान

झज्जर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विक्रम कादियान ने कहा कि शोषण से पीड़ित मानवता के कल्याण के लिए गांधी दर्शन इस जीवंत ग्रह पर सबसे बड़ी औषधि है। महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष कर मानवता-आधारित एक ऐसा दर्शन विकसित किया। जिसे दुनिया के अनेक देशों ने अपनाया। उसी दर्शन का आधुनिक भारत में सबसे सशक्त जनकल्याणकारी रूप मनरेगा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के स्वरूप में किए गए परिवर्तन देश की आत्मा के साथ विश्वासघात हैं। गांधी दर्शन जनकल्याण का चमत्कारी सूत्र है, परंतु वर्तमान सरकार जनहित के प्रति संवेदनशील नहीं दिखती।

उन्होंने हरियाणा से गांधी जी के गहरे संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि 10 अप्रैल 1919 को पलवल के असावटी में गिरफ्तारी देकर उन्होंने असहयोग आंदोलन की शुरुआत की। यह उनकी पहली राजनीतिक गिरफ्तारी थी। 16 फरवरी 1921 को रोहतक की वैश्य संस्था का शुभारंभ भी गांधीजी ने ही किया। जाट संस्था के लिए चौधरी मातूराम और डॉक्टर रामजीलाल को प्रेरणा देने वाले भी वही थे। उन्होंने बताया कि 19 दिसंबर 1947 को मेवात के घासेड़ा में चौधरी रणबीर सिंह के आमंत्रण पर गांधीजी ने सांप्रदायिक सद्भाव के लिए ऐतिहासिक पहल की। जिसे आज मेवात दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी कारण गांधी जी लोगों के दिलों में बसे रहे और दूबलधन में उनके नाम पर कॉलेज स्थापित हुआ। कॉलेज सुधार समिति व निहालचंद गोयल के प्रयासों से इसे पीजी कॉलेज का दर्जा मिला, पर यह मॉडल संस्कृति कॉलेज बनने की सभी शर्तें भी पूरी करता है। यदि इसे मॉडल संस्कृति कॉलेज बनाया जाए तो रोहतक, झज्जर और चरखी दादरी के युवाओं को व्यापक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि वैश्य संस्था जो गांधी जी की हरियाणा को दी गई शैक्षिक विरासत है, पर प्रशासक नियुक्ति से उसकी संवैधानिक व शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने याद दिलाया कि गांधी जी की प्रेरणा से चौधरी हरनारायण और चौधरी शीशराम ने बाघपुर में वंचित वर्ग के लिए कुआं खुदवाया, जो छुआछूत के विरुद्ध एक बड़ी सामाजिक पहल थी।

कर्मचारियों के अधिकारों के लिए संघर्ष करेगी इनेलो

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

- इनेलो के पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ की जिला स्तरीय बैठक आयोजित

इनेलो के पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ की जिला स्तरीय बैठक शनिवार को बहादुरगढ़ में हुई। बैठक में पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक बलवान सिंह दुधवा तथा इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शीला नफे सिंह राठी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक राज सिंह वर्मा ने की, जबकि मंच संचालन जिला शहरी अध्यक्ष रामनिवास सैनी द्वारा किया गया।

बैठक में पूर्व कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न ज्वलंत मुद्दों, उनकी समस्याओं, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा तथा अधिकारों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बलवान सिंह दुधवा ने कहा कि इनेलो हमेशा से कर्मचारियों और पूर्व कर्मचारियों के हक की आवाज बुलंद करती रही है। वर्तमान में पूर्व कर्मचारियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिनके समाधान के लिए इनेलो हर स्तर पर संघर्ष करेगी। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान तथा आगामी राजनीतिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया। शीला नफे सिंह राठी ने कहा कि पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ पार्टी की एक मजबूत और अहम इकाई है। जिले में प्रकोष्ठ को और अधिक सक्रिय करने के लिए निरंतर बैठकें, संपर्क अभियान और जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। राज सिंह वर्मा ने कहा कि सभी एकजुट होकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं। बैठक में पंडित रामरतन मास्टर, बलजीत फौगाट, वेद प्रकाश ढुल, रामधन दलाल, पूर्व सरपंच मास्टर दलीप सिंह, लाल बहादुर मास्टर, रमेश छिकारा, कुलदीप छिल्लर, सतबीर हुड्डा व जयभगवान आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। कर्मचारी प्रकोष्ठ की बैठक में मौजूद इनेलो नेता व कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। इंटरलॉकिंग टाइल्स बेचने का आरोप लगाते जसबीर सैनी।

पुरानी इंटरलॉकिंग टाइल्स बेचने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

भाजपा नेता जसबीर सैनी ने नया गांव चौक पर उखाड़ी गई इंटर-लॉकिंग टाइल्स को स्टोर में जमा करवाने की बजाय बेचने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसके विजिलेंस जांच करवाने की मांग की है। उनका आरोप है कि अधिकारियों ने ठेकेदार से मिलीभगत करके पुरानी इंटर-लॉकिंग टाइल्स को चोरी-छुपे बेच दिया है।

उन्होंने कहा कि नायब सरकार को लगातार बढ़ रहे भ्रष्टाचार पर कड़ा संज्ञान लेना चाहिए। अधिकारियों को सस्पेंड करने के साथ ही एफआईआर भी दर्ज होनी चाहिए।

भर्तियों में हरियाणा के बेरोजगारों की अनदेखी

बहादुरगढ़। पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून ने कहा कि भाजपा सरकार हरियाणा के युवाओं के हक से खुला खिलवाड़ कर रही है। भाजपा प्रदेश की सरकारी नौकरियों को बाहर देने की साजिश रच रही है। ऐसी साजिश हरियाणा बिजली विभाग में एई/एसडीओ पदों की भर्ती को लेकर सामने आई है। इस भर्ती प्रक्रिया में दस्तावेज सत्यापन के लिए सामान्य वर्ग के 214 अभ्यर्थियों को बुलाया गया है, जिनमें से केवल 29 ही हरियाणा के हैं। यह आंकड़ा अपने आप में भाजपा सरकार की रोजगार नीति की सच्चाई उजागर करता है। आज हरियाणा का नौजवान बेरोजगारी से त्रस्त होकर डंकी के रास्ते विदेशों की ओर पलायन करने को मजबूर है। यह युवाओं के भविष्य के साथ सीधा अन्याय है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस मामले में जल्द कार्रवाई नहीं की, तो कांग्रेस प्रदेशभर में आंदोलन छेड़ेगी।

कुटीर उद्योग लगाने के लिए किया जागरूक

झज्जर। स्वयंसेवकों को स्टार्टअप कार्यक्रम की जानकारी देते हुए प्रवक्ता।

झज्जर। शहीद लांस नायक मुकेश कुमार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बेरी में एनएसएस शिविर के पांचवें दिन की शुरुआत योग से की गई। स्वयंसेवकों ने एनएसएस व वंदे मातरम गीत के बाद योगाभ्यास किया। उसके बाद स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान चलाकर विद्यालय परिसर की साफ-सफाई करते हुए श्रमदान किया। गणित प्रवक्ता नवीन कुमार ने स्वयंसेवको को स्टार्टअप कार्यक्रम से अवगत कराते हुए उन्हें बताया कि कुटीर उद्योग लगाकर न केवल वे स्वयं आत्मनिर्भर बन सकते हैं बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार दे सकते हैं। प्रवक्ता आशा ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान बारे विस्तार से जानकारी दी। इसके अलावा स्वयंसेवको के बीच वॉलीबाल मैच भी कराया गया।

झज्जर। दौरे के दौरान रिटायर्ड कर्मचारियों से बातचीत करते हुए टीम सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सदस्यता अभियान के अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मियों से की मुलाकात

झज्जर। रिटायर्ड कर्मचारी संघ की खंड इकाई ने सदस्या अभियान व समस्या पहचान कार्यक्रम के अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारियों से मुलाकात की। खंड प्रधान रमेश जाखड़ के नेतृत्व में टीम सदस्य राजेंद्र जुलाना, जिला कोषाध्यक्ष विष्णु जांगड़ा व सचिव राजबीर राहड़ ने शहर के आर्य नगर में दौरा किया और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को संगठन की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रिटायर्ड कर्मचारी संघ लगातार रिटायर्ड कर्मचारियों के हितों के लिए संघर्ष कर रहा है। कैशलैस मेडिकल, वरिष्ठ नागरिकों को बस, रेल तथा हवाई जहाज यात्रा में आधिकारिक छूट, 65वर्ष पर 5 प्रतिशत, 70 वर्ष पूरा होने पर 10 प्रतिशत तथा 75 वर्ष पूरा होने पर 15 प्रतिशत की पैंशन वृद्धि तथा समयबद्ध एलटीसी आदि मांगें सरकार से की जा रही है। उन्होंने कर्मचारियों को आगामी 22 फरवरी को कुरूक्षेत्र में होने वाले राष्ट्रीय महाअधिवेशन की जानकारी भी दी।

पीएम सूर्य घर बिजली योजना को लेकर ग्रामीणों को किया जागरूक

झज्जर। शनिवार को प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजना के तहत गांव माछरौली में विशेष जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का उद्देश्य आमजन को सोलर रूफटॉप योजना से जोड़ते हुए बिजली बिल में राहत प्रदान करना रहा। बिजली निगम के एसडीओ डॉक्टर योगेश कुमार ने उपस्थित ग्रामीणों को योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत पात्र उपभोक्ताओं को अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगाने पर सरकार की ओर से अनुदान दिया जा रहा है। इससे उपभोक्ता न केवल अपने बिजली बिल में कमी ला सकते हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली उत्पादन से आय भी अर्जित कर सकते हैं।

झज्जर। ग्रामीणों को योजना की जानकारी देते हुए निगम कर्मी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सैनिक स्कूल में हुई ओलंपियाड परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

सैनिक पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से ओलंपियाड परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इसमें तीसरी से 7वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रधानाचार्य बीएल भारद्वाज ने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन करने पर पार्थ भारद्वाज, दक्षिता रंगा, लावण्या, पीयूष, हितेश रोहिल्ला, सिद्धांत दहिया, रियान, अवनी, शिव प्रसाद, भौमिक रोहिल्ला, दक्ष, आदर्श, आयुष, शिविका, हार्दिक, श्रद्धा, राघव सैनी, वैभव, आदर्श व अयान यादव आदि को सम्मानित किया गया।

वर्तमान में लगाए जा चुके हैं 1800 फलदार, औषधीय एवं छायादार पौधे

रतन टाटा सिटी फॉरेस्ट के नाम से जाना जाएगा मिनी जंगल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

रोहतक-दिल्ली रोड स्थित गोरैया टूरिज्म कॉम्प्लेक्स के साथ विकसित किए गए मिनी जंगल को अब देश के विख्यात उद्योगपति स्व. रतन टाटा के नाम से जाना जाएगा। शनिवार को अधिकारियों व पर्यावरण प्रेमियों की उपस्थिति में इसका नामकरण रतन टाटा सिटी फॉरेस्ट किया गया।

दरअसल, गोरैया टूरिज्म कॉम्प्लेक्स से सटी यह भूमि वर्षों तक गंदगी और उपेक्षा का शिकार थी। इस क्षेत्र को हराभरा बनाने का बीड़ा क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट, संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति सहित शहर की अन्य सामाजिक संस्थाओं ने उठाया। एचएसआईआईडीसी और वन विभाग के सहयोग से इस भूमि को मिनी जंगल के रूप में विकसित किया गया। पहले चरण में सात जुलाई 2024 और दूसरे चरण में छह जुलाई 2025 को मेगा पौधारोपण अभियान चलाकर

बहादुरगढ़। नामकरण के अवसर पर हवन में आहुति डालते पर्यावरण प्रेमी। फोटो : हरिभूमि

इस सिटी फॉरेस्ट की नींव रखी गई। वर्तमान में यहां लगभग 1800 फलदार, औषधीय एवं छायादार पौधे लगाए जा चुके हैं। जल एवं मृदा संरक्षण के लिए तीन बड़े पौंड तथा पक्षियों व अन्य जीव-जंतुओं के लिए तीन छोटे तालाब भी विकसित किए गए हैं।

स्व. रतन टाटा के जन्मदिवस से एक दिन पूर्व शनिवार को पर्यावरण प्रेमियों ने इस मिनी जंगल को उनके नाम समर्पित किया। शिक्षाविद् अंजू गर्ग ने हवन संपन्न कराया, जबकि उपस्थित लोगों ने दीप प्रज्वलित कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर वन विभाग के रेंज ऑफिसर श्रीभगवान, कोबी से अशोक मित्तल, सुरेंद्र भारद्वाज नीमा से जुड़े चिकित्सक डॉ. दीपक डॉ. अनिल, संत निरंकारी भवन बहादुरगढ़ से दयाल सिंह व अनेक पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे। निरंकारी आश्रम की ओर से प्रसाद की व्यवस्था की गई।

रिटायर्ड एसडीई मुकेश ने अपने जन्मदिवस पर 25 पौधे भी लगाए। इस सिटी फॉरेस्ट के विकास में श्रमदान करने वाले बच्चों को वस्त्र वितरित किए गए तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया गया। उपस्थित लोगों ने बताया कि उड़ान सेवा समिति, सार्थक सेवा समिति, श्रीश्याम गोशाला समिति नूना माजरा, रोबिन हुड आर्मी, निरंकारी सत्संग भवन, नीमा बहादुरगढ़, हरी भरी सोसाइटी नांगलोई सहित अनेक संस्थाओं और पर्यावरण प्रेमियों के सहयोग से इस जंगल को निरंतर बेहतर बनाया जा रहा है।

अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मशताब्दी समारोह के अंतर्गत स्मृति सम्मेलन आयोजित

अटल के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान

सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के सेक्टर-2 स्थित गौरी शंकर मंदिर में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मशताब्दी समारोह के अंतर्गत आयोजित अटल स्मृति सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने अटल जी के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व को स्मरण करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री जगदीश नायर ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि एवं जिला प्रभारी कैप्टन भूपेंद्र सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नेता दिनेश कौशिक ने की। सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। जगदीश नायर ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने राजनीति में रहते हुए कभी राष्ट्र के सम्मान से समझौता नहीं किया। वे पक्ष-विपक्ष दोनों के लिए समान रूप से सम्मानित नेता थे। विकास वाल्मीकि ने कहा कि जय जवान, जय किसान के साथ जय विज्ञान का नारा देकर उन्होंने देश को तकनीक और नवाचार की दिशा दिखाई।

बहादुरगढ़। पूर्व मंत्री जगदीश नायर का स्वागत करते भाजपाई। फोटो : हरिभूमि

वाजपेयी का जीवन देशभक्ति से ओत-प्रोत रहा वे अपने-अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे : कौशिक

दिनेश कौशिक ने कहा कि वाजपेयी का जीवन देशभक्ति से ओत-प्रोत रहा। वे अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे। उनकी विचारधारा के अनुरूप आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित कई वक्ताओं ने अटल जी के जीवन से जुड़े संस्मरण सांझा किए। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल शर्मा, चेयरपर्सन सरोज राठी, चेयरमैन विनोद कौशिक, दिनेश शेखावत, प्रदीप गुप्ता, मंडल अध्यक्ष पंकज गर्ग, संजय सैनी, सुदेश रंगा, महावीर दलाल, पार्षद भीम सिंह प्रणामी, राजबाला, चिराग परुथी, धर्मवीर वर्मा, राम अहलावत, नकुल चोपड़ा, विकास पंवार, नकुल कौशिक, सोनू कानोंदा, शेखर कौशिक व कृष्ण पांचाल आदि उपस्थित रहे।

पूर्व पीएम और सूरजमल को किया नमन

झज्जर। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि देते हुए अतिथि एवं शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। महाराजा अग्रसेन मिडिल कम प्ले स्कूल में सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अलावा अभिभावकों ने भी बड़ी संख्या में पहुंच कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। पंडित गुलशन शर्मा ने स्कूल प्रबंधक केशव सिंग व बबीता सिंगल व अभिभावकों के साथ तुलसी पूजन किया। विद्यार्थियों द्वारा अपने अभिभावकों को फूलमाला पहना कर चरण स्पर्श करते हुए उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान विशेष रूप में उपस्थित नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी, महाराजा अग्रसेन एजुकेशन ट्रस्ट के पूर्व प्रधान महेंद्र बंसल व श्रीगौशाला प्रधान प्रमोद बंसल ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी व महाराजा सूरजमल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि हमें महापुरुषों के बताए हुए रास्ते पर चलकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देने का काम करना चाहिए। उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले गुरु गोविंद सिंह जी के साहबजादों शहादत को नमन किया। इस मौके पर हरियाणा व्यापार मंडल के जिला सचिव सुनील यादव, हेमचंद्र बंसल, पार्षद जयपाल पप्पू, अश्वनी अरोड़ा, वेद आर्य, मुकेश कुच्छल, हेड मास्टर सूबे सिंह, सीमा गोयल, सरिता सिंघल, पूनम बाल्मीकि, प्रीति हरित, प्रीति गर्ग, प्रियंका शर्मा, कोमल, कविता, निशा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

शहर के सौंदर्यीकरण को लेकर फील्ड में उतरे डीसी

झज्जर। राव मंगली राम पार्क का दौरा करते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल, नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी एवं अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शनिवार सुबह डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल एडीसी जगनिवास के साथ फील्ड में उतरे और शहर के विभिन्न पार्कों, प्रमुख चौराहे, वार्डों और प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया। उन्होंने शहरी क्षेत्र में चल रहे सफाई कार्य, जल निकासी व्यवस्था, सड़कों की स्थिति तथा शहर के सौंदर्यीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। नगरपरिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी, शहरी स्थानीय निकाय, बिजली निगम और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी साथ रहे। उन्होंने शहरवासियों से भी बातचीत करते हुए शहर के सौंदर्यीकरण को लेकर भी सुझाव लिए।

अधिकारियों को निर्देश

उपायुक्त ने कहा कि जिला मुख्यालय होने के नाते शहर की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण व्यवस्था उत्कृष्ट होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी वार्डों में नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए और कूड़ा संग्रहण एवं निस्तारण की व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शहर में लगी स्ट्रीट लाइटों की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जहां कहीं लाइटें खराब हैं, वहां तुरंत बदलने का कार्य किया जाए ताकि नागरिकों को रात के समय किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि सड़कों पर पड़े गड्ढों और टूटी सड़कों को जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए। उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां जहां सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या है,वहां तुरन्त समाधान सुनिश्चित किया जाए।

श्रीश्याम संकीर्तन एक जनवरी को, तैयारियां जोरों पर

बहादुरगढ़। श्रीश्याम बिहारी सेवा मंडल ट्रस्ट विवेकानंद नगर के तत्वावधान में एक जनवरी द्वितीय श्रीश्याम संकीर्तन महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन हरिगार्डन में होगा। इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया जाएगा। फूल बंगला, छप्पन भोग, आलोकिक श्रृंगार, पुष्प वर्षा, इत्र वर्षा व भव्य आतिशबाजी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगी। एक जनवरी की दोपहर को श्याम चौक विवेकानंद नगर से एक भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। आयोजन में प्रसिद्ध कलाकार बाबा श्याम के भजनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्थाएं भी की जाएंगी।

34वीं मास्टर्स चैंपियनशिप में बीआरजी के धावकों ने किया शानदार प्रदर्शन

- गुलाब सिंह ने 40 प्लस आयु वर्ग के 5000 मीटर और 1500 मीटर में स्वर्ण पदक जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

हिसार स्थित गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुई 34वीं हरियाणा स्टेट मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के प्रतिभागी धावकों ने शानदार प्रदर्शन दोहराया। प्रतियोगिता का आयोजन मास्टर्स एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया से संबद्ध हरियाणा इकाई द्वारा किया गया था। प्रतियोगिता में बीआरजी के एथलीटों ने विभिन्न आयु वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए।

बहादुरगढ़। जीत हासिल करने वाले बीआरजी के मास्टर एथलीट।

ये रहे परिणाम

गुलाब सिंह ने 40 प्लस आयु वर्ग के 5000 मीटर और 1500 मीटर में स्वर्ण पदक और 200 मीटर में रजत पदक जीता। धर्मवीर सैनी ने 50 प्लस आयु वर्ग के 5000 मीटर, 1500 मीटर और 800 मीटर में तीन स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। धर्मवीर सैन ने 40 प्लस आयु वर्ग के 100 मीटर में स्वर्ण, 5000 मीटर में रजत तथा लॉन्ग जंप में कांस्य पदक जीता। ब्रह्म प्रकाश ने 55 प्लस आयु वर्ग के 5000 मीटर में रजत पदक हासिल किया।

भगवत गीता प्रतियोगिता में सोनम रही प्रथम

- इंडो अमेरिकन स्कूल में ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर:

इंडो अमेरिकन स्कूल में शनिवार को ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इस्कॉन सोसायटी की टीम सदस्य पवन व राधानाम दास ने पहुंच कर विद्यार्थियों को गीता के महत्व से अवगत कराया तथा हाल ही में ली गई भगवत गीता प्रतियोगिता का परीक्षा परिणाम घोषित किया। राधानाम दास ने बताया कि वे पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर हैं और वर्तमान में सिंचाई विभाग रोहतक में कार्यरत है। उन्होंने विद्यार्थियों को सरल और प्रेरक शब्दों में गीता के सार से परिचित कराते हुए कहा कि मनुष्य को कर्म करते रहना चाहिए, फल की चिंता नहीं करनी चाहिए।

झज्जर। विजेता प्रतिभागी को गीता भेंट करते हुए मनोनीत पार्षद कमल गिरोत्रा, स्कूल निदेशक बिजेंद्र कादियान एवं अन्य।

विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की दी प्रेरणा

उन्होंने विद्यार्थियों को मोबाइल फोन से दूरी बनाकर सकारात्मकता एवं आध्यात्मिकता की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। भगवत गीता के घोषित परिणामों में सोनम ने 96 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। इनके अलावा कनिष्क व निलांशी ने 94 फीसदी अंकों के साथ द्वितीय व दक्ष गोयल 92 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय रहा। समिति पदाधिकारियों द्वारा सभी विजेताओं को भागवत गीता की पुस्तक और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान निदेशक बिजेंद्र कादियान ने विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों से भगवत गीता में बताए गए सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान मनोनीत पार्षद कमल गिरोत्रा, पवन अरोड़ा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

सिलोड़ी स्कूल में करवाया योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव सिलौठी स्थित राजकीय उच्च विद्यालय के प्रांगण में शनिवार को योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग के सान्निध्य में निःशुल्क योग एवं प्राणायाम शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता विद्यालय इंचार्ज प्रवीण कुमार ने की। कार्यक्रम में शिक्षक कैलाश, राकेश, वीरेंद्र, रजनी के साथ ही सरपंच विक्रम दलाल ने भाग लिया। योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग ने विद्यार्थियों को अष्टांग योग, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास करवाते हुए योग के वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डाला।

बहादुरगढ़। बच्चों को योगाभ्यास करवाते योगाचार्य जगदीश सहवाग।

बहादुरगढ़। प्रदर्शनी में विज्ञान मॉडलों का अवलोकन करते अतिथि।

नूना माजरा में लगी विज्ञान प्रदर्शनी

बहादुरगढ़। नूना माजरा के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें बहादुरगढ़ ब्लॉक के सभी विद्यालयों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। बच्चों ने रोबोटिक विज्ञान, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, स्पेस साइंस, एग्रीकल्चर, हैल्थ एंड हाइजीन आदि के बारे में मॉडल, पोस्टर मेकिंग व रोल प्ले द्वारा बताया कि आज के समय में इनकी बहुत जरूरत हैं। प्रदर्शनी में खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह, प्राचार्य पूनम मक्कड़ व सुरेश कुमार वर्मा आदि उपस्थित रहे। उन्होंने सभी बच्चों को प्रोत्साहित किया।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को लेकर विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान विषय के संबंध में विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरालीगल वॉलिंटियर कर्मजीत छिल्लर व कार्यकर्ता संदीप जांगड़ा ने विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य में बाधा उत्पन्न करता है तथा यह दंडनीय अपराध है। उन्होंने बताया कि यदि उनके आसपास, पड़ोस या समाज में किसी बालिका के साथ किसी प्रकार की असुविधा हो रही हो अथवा बाल विवाह की आशंका हो, तो वे तुरंत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की हेल्पलाइन पर सूचना दें, जिससे समय रहते आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। स्कूल निदेशक धर्मेंद्र जून विद्यार्थियों को बाल विवाह के प्रति जागरुक रहने, शिक्षा को प्राथमिकता देने तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया।

झज्जर। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान संबंधी शपथ लेते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम आरईडी स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक, सांस्कृतिक गतिविधियों का भी किया आयोजन

विज्ञान परियोजना प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

- बैठक में शिक्षकों ने अभिभावकों को मिड टर्म व प्री बोर्ड परीक्षा परिणामों की जानकारी दी
- विद्यार्थियों ने नैतिक मूल्यों पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

आरईडी स्कूल में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शिक्षकों द्वारा अभिभावकों को मिड टर्म व प्री बोर्ड परीक्षा परिणामों की जानकारी दी गई। पीटीएम के साथ-साथ विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। उन्होंने नैतिक मूल्यों पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी, जिसमें ईमानदारी, दया, अच्छा व्यवहार, बालिकाओं व बुजुर्गों का सम्मान आदि संदेश दिए गए। अभिभावकों के लिए भी रोचक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उनके बीच 15 सैकेंड में कप से पिरामिड बनाना, सही स्थान पर बिंदी चिपकाना तथा गेंद गिराकर पुरस्कार एकत्र करना जैसे मनोरंजक खेल कराए गए। इस दौरान विद्यार्थियों ने विज्ञान परियोजना प्रदर्शनी के माध्यम से अपने नवाचार, प्रयोगशीलता एवं वैज्ञानिक सोच का उत्कृष्ट प्रदर्शन भी किया। विद्यालय निदेशक जितेंद्र सिंह अहलावत ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए विद्यार्थियों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा अभिभावकों से कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

झज्जर। विज्ञान परियोजना प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए निदेशक जितेंद्र अहलावत। फोटो : हरिभूमि

जूपीटर स्कूल में लगी विज्ञान प्रदर्शनी

बहादुरगढ़। प्रदर्शनी में विज्ञान मॉडलों को देखते प्रिंसिपल व स्कूल निदेशक।

बहादुरगढ़। रोहद स्थित जूपीटर पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में कक्षा छठीं से बारहवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विज्ञान अध्यापिका पूनम हुड्डा, नवीन लोहचब, सुषमा व प्रीति का इसमें अहम योगदान रहा। जूनियर वर्ग में निकुंज, पार्थ, कार्तिक, वंश, मान, रिकशिक, तेजस, रूहान, भावेश तथा सीनियर वर्ग में वासु, निखिल, प्राची, लक्षिता, यश, शिवम, अमन, प्रियांशु, आर्यन ने उत्साह के साथ भाग लिया। सभी विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक मॉडल प्रस्तुत कर अपने-अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण का परिचय दिया और अपने मॉडल की व्याख्या करके जजों को आश्चर्यचकित कर दिया। स्कूल निदेशक राजकुमार रूहिल ने विजेताओं को आशीवांद दिया। प्रिंसिपल राजपाल सिंह सनवाल ने सभी विद्यार्थियों को भविष्य में प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

महीने बाद एफआईआर

- रेलवे स्टेशन बहादुरगढ़ के निकट ट्रेन में बैग की हुई थी चोरी
- पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रेलवे स्टेशन बहादुरगढ़ के निकट ट्रेन में हुई चोरी के मामले में पांच महीने बाद एफआईआर दर्ज हो पाई है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। वारदात गत सात जुलाई को हुई थी। पुलिस को दी शिकायत में राजस्थान के निवासी कृष्ण कुमार का कहना है कि गत सात जुलाई को वह परिवार सहित गंगा नगर से बीकानेर सराय रोहिल्ला गाड़ी में सवार हुए थे। यात्रा के दौरान जब बहादुरगढ़ स्टेशन के निकट पहुंचे तो उनकी पत्नी का बैग चोरी हो गया। बैग में पांच हजार रुपये, मोबाइल, आभूषण, लेडिज पर्स, दवा आदि सामान था। अपने स्तर पर काफी तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। फिर सराय रोहिल्ला में पहुंचने पर शिकायत दी। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय उच्च विद्यालय, देहकोरा-3117 (जिला झज्जर) में स्थित 18 जर्जर (Condemned) कमरों की नीलामी दिनांक 15-01-2026 को समय प्रातः 11 बजे विद्यालय परिसर में की जाएगी।

Earnest Money (DMD): रुपए 55,000/- सफल बोलीदाता द्वारा शेष राशि 7 दिनों के भीतर जमा करवानी होगी। बोली की अन्य शर्तें व नियम मौके पर नीलामी के दिन सुना दी जाएंगी। इच्छुक बोली दाता समय पर उपस्थित हों।

हस्ता/-मुख्य अध्यापक
राजकीय उच्च विद्यालय,
देहकोरा-3117
मोबाइल नंबर 9215056089
(सुभाष हुड्डा)

खबर संक्षेप

पिल्ला कुचलने वाले कार चालक पर केस दर्ज

बहादुरगढ़। गांव मुकुंदपुर में कार के नीचे पिल्लों को कुचलने के मामले में पुलिस ने संज्ञान लिया है। जीवों के लिए काम करने वाली संस्था के प्रयासों तथा जांच के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर सदर थाना ने आरोपी कार चालक के खिलाफ पशु क्रूरता सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। दरअसल, मुकुंदपुर के निवासी एक युवक ने पुलिस को शिकायत दी थी कि उनकी गली में एक कार बेहद तेज गति से गुजरती है। कार को गांव का निवासी नवीन चलाता है। उसने पहले भी कार चढ़ाकर एक पिल्ला मार दिया था। अब चार दिसंबर को भी एक पिल्ले पर गाड़ी चढ़ा दी। समझाने के बाद भी वह कार चालक युवक उलटा सीधा बोलता है। उसके अभिभावकों को शिकायत दी तो कहने लगे कि पिल्ला ही तो मरा है, आदमी तो नहीं मरा। इस शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की। वहीं दूसरी तरफ जीवहित के लिए काम करने वाली संस्था के भी प्रयास जारी थे। पुलिस ने बीएनएस 281, 325 व पीसीए 11 (1) (ए) के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

अवैध शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। गांव सोलधा में कमरे में अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ सदर थाने में केस दर्ज किया गया है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि सोलधा में फिरनी पर बने एक कमरे में अवैध रूप से शराब बेची जाती है। इसी टीम ने वहां जाकर छापा मारा। छापमार कार्रवाई के दौरान कमरे में से अंग्रेजी शराब के पव्वों की 28 पेटी बरामद हुई। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया।

अवैध हथियार सहित युवक को दबोचा

बहादुरगढ़। पुलिस की अपराध जांच शाखा दो ने अवैध हथियार सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। सेक्टर 9 बाईपास से काबू किए गए आरोपी की पहचान मंजीत के रूप में हुई है। मंजीत सोलधा का रहने वाला है। उसके पास से देशी पिस्तौल व कारतूस बरामद हुआ।

बिजली की तार काट ले गए चोर

बहादुरगढ़। ग्रामीण क्षेत्र में बिजली उपकरणों व सामान की बढ़ती चोरी बिजली निगम के लिए परेशानी का सबब बनी हैं। आए दिन कहीं न कहीं से तार, मोटर आदि चुराए जा रहे हैं। अब सौंधी गांव के फीडर पर बादली से इस्माइल रोड पर लगते ट्रांसफार्मर से आगे छत, सात स्पेन के तार चुरा लिए गए। चोरी किए गए तार की कीमत करीब 85 हजार की आंकी जा रही है। इससे आर्थिक हानि तो हुई ही है, वहीं किसानों का सिंचाई का काम काज प्रभावित हो गया। किसानों ने बिजली निगम से जल्द से जल्द मरम्मत कार्य पूरा करने तथा पुलिस से वारदात सुलझाने की मांग की है।

केएमपी पर दो कारों में सवार होकर आए बदमाशों ने की थी वारदात

भतीजा निकला 39 लाख की लूट का मास्टर माइंड

आरोपित फोन के जरिए बदमाशों को लाइव लोकेशन दे रहा था

बहादुरगढ़। पुलिस की गिरफ्त में लूट के चारों आरोपी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। थाना परिसर में खड़ी पीड़ित की कार। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी जिले के कसौला गांव के निवासी कार चालक सूबे सिंह के साथ करनाल से पेमेंट लेकर लौटते समय की गई थी लूटपाट। मास्टर माइंड भतीजा भी वारदात के समय साथ था।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

केएमपी एक्सप्रेसवे पर कटरा एक्सप्रेसवे के निकट बीती रात लूटपाट की बड़ी वारदात हुई। दो गाड़ियों में सवार होकर आए बदमाशों ने कार चालक पर हॉकी और डंडों से हमला कर डिग्गी में रखी लाखों रुपये की नकदी लूट ली।

पीड़ित के साथ कार में मौजूद उसका भतीजा ही मास्टर माइंड निकला। पुलिस ने मास्टरमाइंड सहित चार आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं। दरअसल, रेवाड़ी जिले के कसौला गांव के निवासी सूबे सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह टैक्सी चालक है और पहले अलवर के निवासी कृष्ण सिंह की कंपनी में काम करता था। गत 26 दिसंबर को कृष्ण ने उसे करनाल से पेमेंट लाने के लिए भेजा था। वह अपने भतीजे सुनील उर्फ साहिल के साथ स्विफ्ट डिजायर कार से करनाल गया, जहां शामली रोड स्थित रेड लाइट के पास अनुराग नाम के व्यक्ति से करीब 39 लाख रुपये की नकदी प्राप्त की गई। नकदी को कार की डिग्गी में रखकर दोनों वापस लौट रहे थे।

भतीजे ने लघुशंका के बहाने रुकवाई थी गाड़ी

पीड़ित के अनुसार, जब वे केएमपी एक्सप्रेसवे पर कटरा एक्सप्रेसवे के पास पहुंचे, तो सुनील ने लघुशंका का बहाना बनाकर गाड़ी रुकवाने की जिद की। सुनसान जगह होने का हवाला देने के बावजूद उसने गाड़ी रुकवा ली। जैसे ही कार रुकी, सामने से एक आई-20 और पीछे से अल्ट्रोज कार आकर खड़ी हो गई। दोनों गाड़ियों से पांच-छह युवक उतरे और सूबे सिंह पर हॉकी व डंडों से हमला कर दिया। बदमाश डिग्गी से नकदी से भरा बैग और अन्य सामान लूटकर फरार हो गए। पीड़ित ने आरोप लगाया कि पूरी वारदात के दौरान सुनील ने न तो उसे बचाने का प्रयास किया और न ही बदमाशों ने उसे कोई नुकसान पहुंचाया, जिससे उसकी भूमिका पर गहरा संदेह पैदा हुआ।

पुलिस ने मात्र 12 घंटे में लूटकांड का खुलासा किया

उधर, वारदात की सूचना मिलते ही थाना आसौदा पुलिस और सीआईए-1 बहादुरगढ़ की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य, मोबाइल लोकेशन, सीसीटीवी फुटेज और पूछताछ के आधार पर महज 12 घंटे में लूटकांड का खुलासा कर दिया। थाना प्रबंधक आसौदा निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि जांच में सामने आया कि इस पूरी वारदात की साजिश पहले से रची गई थी और इसका मास्टरमाइंड स्वयं पीड़ित का भतीजा सुनील उर्फ साहिल था। वह अपने साथियों को फोन के जरिए लाइव लोकेशन दे रहा था। उससे सख्ती से पूछताछ की तो खुलासा हो गया। इसके बाद तीन अन्य आरोपियों को भी काबू कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साहिल उर्फ सुनील निवासी ईस्माईलपुर, सन्नी निवासी खेतावास (गुरुग्राम), अमित निवासी बुढेड़ा चंदू (गुरुग्राम) और वंश निवासी सरदाणा (गुरुग्राम) के रूप में हुई है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और लूटी गई नकदी की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। सभी आरोपियों को रविवार को बहादुरगढ़ की अदालत में पेश किया जाएगा।

अवैध शराब मामले में आरोपी पकड़ा

झज्जर। पुलिस चौकी झाड़ली की एक टीम द्वारा अवैध रूप से देसी शराब रखने मामले में एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। पुलिस चौकी झाड़ली प्रभारी उपनिरीक्षक सत्यवीर ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि प्रवीण निवासी खोरडा अवैध रूप से शराब बेचने का काम करता है जो अब नौगांवा से बहू की तरफ मोटरसाइकिल पर आ रहा है। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने एक निजी अस्पताल गांव बहु के पास नाकाबंदी की उसी समय एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर आता दिखाई दिया। जिसे रुकवा कर चैक किया तो उसकी मोटरसाइकिल के बैग में नौ बोतल देसी शराब की मिली। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज करते हुए आगामी कार्रवाई अमल में लाई गई है।

■ तलाशी में नौ बोतल देसी शराब की मिली

झज्जर रोड पर काफी लाइटें बंद, वारदात की आशंका

बहादुरगढ़। शहर को जगमग करने के दावों के बीच विभिन्न मार्गों पर रात के समय अंधेरा पसरा रहता है। झज्जर रोड पर भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। वैसे तो यहां झज्जर मोड़ से सब्जी मंडी तक लाइटें लगी हुई हैं लेकिन ये केवल शोपीस बनी हैं। रात के समय ये चालू नहीं रहती। शुक्रवार की रात को लगभग 90 प्रतिशत लाइटें बंद थी। शाम ढलते ही रोशनी केवल वाहनों की हेडलाइट और दुकानों की लाइटों पर निर्भर हो जाती है। जब रात को दुकानें बंद हो जाती है तो यहां पूरी तरह से अंधेरा छा जाता है। रातभर इस मार्ग से लोगों का आना जाना रहता है। अंधेरे के कारण दुर्घटना तथा आपराधिक वारदात की आशंका बढ़ जाती है। लोगों का कहना है कि खंभों पर लगी लाइटों को ठीक कर चालू किया जाए। इन दिनों सर्दियों में अंधेरे के बीच कोहरा खतरनाक स्थिति पैदा करता है। इसलिए रोशनी होनी बहुत जरूरी है। इस तरफ ध्यान दिया जाए।

बाल भवन में चल रहा योगासन शिविर

बहादुरगढ़। शहर के सेक्टर-6 में स्थित बाल भवन के प्रांगण में महिलाओं तथा बच्चों के मानसिक तथा शारीरिक विकास के लिए एक दिसंबर से योगासन शिविर आयोजित किया जा रहा है। चूंकि बच्चों तथा महिलाओं में मोटापे की समस्या सामान्य हो गई है। यह मोटापा अनेक बीमारियों का कारण बन रहा है। ऐसे में महिलाओं तथा बच्चों का वजन कम करने के लिए नियमित योगा करवाया जा रहा है। योग कक्षाओं में सूर्य नमस्कार, ताड़ासन एवं विभिन्न योगासन सिखाए जा रहे हैं।

धर्मेंद्र हत्याकांड की साजिश का आरोपी दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

सीआईए की टीम ने गांव लुहारी निवासी धर्मेंद्र की हत्या की साजिश के मामले में शामिल एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। सीआईए झज्जर प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर ने बताया कि कुछ समय पहले गांव लुहारी में धर्मेंद्र नाम के व्यक्ति कि अज्ञात हमलावरों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले को लेकर मृतक के बेटे द्वारा थाना माछरौली में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचनाओं के आधार पर अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इस मामले में गांव लुहारी निवासी लक्ष्मण को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी लक्ष्मण अपने अन्य साथियों के साथ धर्मेंद्र की हत्या की साजिश में शामिल था। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

■ पुलिस टीम अब तक आठ आरोपियों को कर चुकी है गिरफ्तार

झज्जर। पकड़ा गया आरोपी पुलिस टीम के साथ।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

स्वयंसेविकाओं को कराया थाना परिसरों का भ्रमण

झज्जर। शैक्षिक भ्रमण के दौरान शहर थाना परिसर में उपस्थित स्वयंसेविकाएं।

■ पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने पुलिस की कार्यप्रणाली की जानकारी ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित सात दिवसीय के पांचवें दिन स्वयंसेविकाओं को पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली समझने का अवसर मिला। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अन्नु देशवाल ने बताया कि स्वयंसेविकाओं में अनुशासन, नागरिक दायित्व और पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से उन्हें शहर व सदर थाना परिसर का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। यहां शहर थाना प्रभारी बलदेव सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस और नागरिकों का पारस्परिक सहयोग ही सुरक्षित समाज की नींव है।

महिला सुरक्षा से जुड़े विषयों पर जागरुकर करते हुए उन्होंने कहा कि सड़क, कॉलेज, सार्वजनिक स्थानों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर होने वाली किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, स्टॉकिंग या ब्लैकमेलिंग की घटनाओं को अनदेखा ना करें और तुरंत डायल 112 पर इसकी शिकायत करें। स्वयंसेविकाओं ने पुलिस स्टेशन में शिकायत पंजीकरण प्रक्रिया, रिकॉर्ड शाखा, डेस्क इंक्वायरी, लॉकअप रूम आदि बारे भी जानकारी हासिल की। इस मौके पर डॉक्टर पूजा नांदल, लक्ष्मी, सुशीला, नरेश सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक के नुकसान पर चर्चा की

सायंकालीन सत्र में विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। भौतिक प्रवक्ता यशपाल ने स्वयंसेविकाओं के साथ सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान और उसके विकल्पों पर चर्चा की। इस दौरान छात्रा दीपांशी, साक्षी, भारती, रानी और दिव्या ने गीत के माध्यम से, पायल ने रागिनी, शिवानी और अनुज ने भाषण तथा मधु व तान्या ने कविता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके अलावा जहां छात्रा प्राची, जानवी, लता और नंदिनी ने नाटक से स्वच्छता का संदेश दिया वहीं स्वयंसेविकाओं ने जागरुकता रैली भी निकाली।

झज्जर। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान संबंधी शपथ लेते हुए विद्यार्थी।

छात्रों को बाल विवाह मुक्त देश की शपथ दिलवाई

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, महिला एवं बाल विकास विभाग, संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी, शिक्षा विभाग व एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था द्वारा चलाए जा रहे 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शनिवार को विभिन्न गांवों में जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था के जिला समन्वयक मनोज कुमार ने बताया कि क्षेत्र के गांव जहाजगढ़, अच्छेज-पहाड़ीपुर, कबलाना, बिसाहन, चिमनी तथा बेरी के सरकारी व निजी विद्यालयों में कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थियों को बाल विवाह मुक्त भारत विषय पर जागरुक किया गया और उन्हें जागरुकता संबंधी शपथ दिलाई गई। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अच्छेज-पहाड़ीपुर की प्रवक्ता पूनम ने कहा कि बाल विवाह में बच्चों को इतनी समझ नहीं होती कि वह घर-गृहस्थी चला सके। जिस कारण परिवार में तनाव बना रहता है जो घरेलू हिंसा का रूप ले लेता है। कार्यक्रमों के दौरान राजेश, विपिन, मनीषा, पवन, संदीप जांगड़ा, पूनम डागर आदि ने भी संबोधित किया।

जागरूकता | साइबर अपराधी नए-नए हथकंडे अपना रहे

फर्जी कॉल से हो जाएं सावधान, किसी अनजान लिंक पर न करें क्लिक : राजश्री

ओटीपी, एटीएम पिन, पासवर्ड और व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

डॉक्टर राजश्री सिंह, पुलिस कमिश्नर झज्जर।

वर्तमान समय में साइबर अपराधी आम जनता को ठगने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। साइबर ठग शेयर मार्केट में अधिक मुनाफे, डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर, पैसे डबल करने का लालच देकर तथा फर्जी कॉल व मैसेज के माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। साइबर अपराधी आम नागरिकों की मेहनत की कमाई को लूटने के लिए लगातार नए तरीके खोज रहे हैं। ऐसे में जागरूकता से ही साइबर ठगी से बचा जा सकता है। यह बात पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने आमजन को साइबर ठगी के प्रति जागरूक होने का आह्वान करते हुए कही। उन्होंने कहा कि यदि हैप्पी न्यू ईयर या किसी अन्य शुभकामना के नाम से आपके मोबाइल फोन पर कोई खाली या संदिग्ध लिंक आता है, तो उस पर बिल्कुल भी क्लिक न करें। ऐसे लिंक पर क्लिक करने से आपके मोबाइल या बैंक से जुड़ी निजी जानकारी साइबर ठगों के हाथ लग सकती है, जिससे आपका बैंक खाता खाली हो सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या ई-मेल पर भरोसा न करें। बैंक, पुलिस या किसी सरकारी एजेंसी के नाम पर आने वाले कॉल की पहले पुष्टि करें। अपनी ओटीपी, एटीएम पिन, पासवर्ड और व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या साइबर ठगी की सूचना तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें।

झज्जर। अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

झज्जर। क्षेत्र के गांव याकूबपुर में अज्ञात वाहन की टक्कर से किसान की मौत हो गई। मृतक की पहचान याकूबपुर निवासी करीब 47 वर्षीय दौलतराम पुत्र होशियार सिंह के तौर पर हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दौलतराम डूमा रोड स्थित अपने खेत में काम करने गया था। शुक्रवार की शाम जब वह मोटरसाइकिल पर वापिस घर लौट रहा तो गांव के नजदीक अज्ञात वाहन ने उसकी मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद गंभीर रूप से घायल हुए दौलतराम को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले के जांच अधिकारी जितेंद्र ने बताया कि मृतक के पुत्र सन्नी की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। इस संबंध में पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
नववर्ष विशेष 2026
रोहतक रविवार
28 दिसंबर 2025
P-1
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

नवारंभ का संदेश लेकर नववर्ष द्वार पर खड़ा है। उसका स्वागत हम पूरे उत्साह-उमंग के साथ अवश्य करें। साथ ही आगामी नववर्ष में न केवल अपने जीवन को, अपने से जुड़े लोगों, समाज और पर्यावरण को बेहतर बनाने का संकल्प भी जरूर लें। न केवल संकल्प लें, उसे क्रियान्वित करने के लिए भी समग्र ऊर्जा से सक्रिय रहें। तभी आगामी वर्ष में चहुंओर नवचेतना का संचार होगा।

आवरण कथा
कुमार राधारमण

नववर्ष में हम करें नवचेतना का संचार

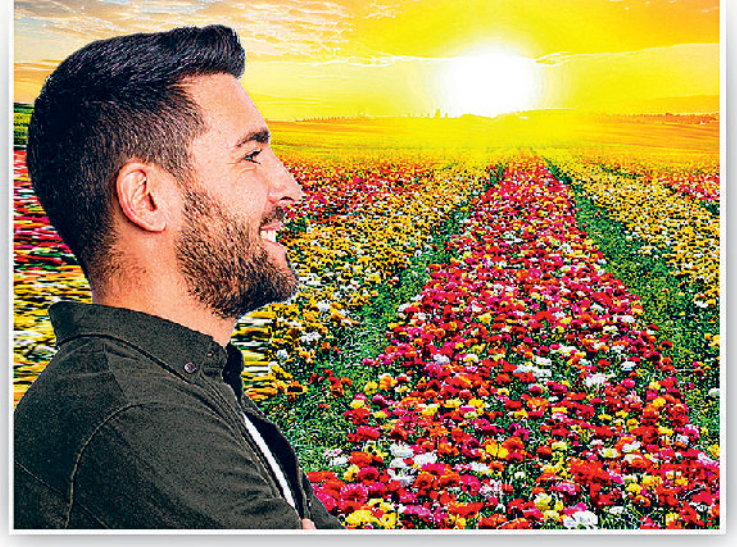

वर्तमान साल बीत रहा है। नए साल ने दस्तक दे दी है। नया साल सिर्फ कैलेंडर का बदल जाना नहीं होता है। यह बीत रहे साल की समीक्षा का अवसर भी है। हम सबकी कुछ अच्छी और कुछ कड़वी यादें इससे जुड़ी होंगी। नया साल विगत की अनुकूल स्मृतियों को सहेजने, उसे नए साल में नई ऊंचाइयां देने का अवसर है। यह प्रतिकूलताओं से सबक लेने का मौका है। जीवन की हर घटना सीखने का अवसर भी होती है। हम सब कई बार चूकते हैं। हमारी चूक निराशा का कारण न बने, हम अपनी गलतियों से सीखें। इसी में वर्तमान का उल्लास भी है और भविष्य का सुनहरा स्वप्न भी।

बनाए रखेंगे सकारात्मक दृष्टिकोण: नया साल, नए उत्साह, नई संभावनाओं, नए सपनों और नए संकल्पों को नए पंख देने का अवसर है। जीवन में हमेशा एक नई शुरुआत संभव है। बीत रहा साल चाहे जैसा रहा हो, नए साल में हम अपनी कहानी फिर से लिख सकते हैं। हर नए दिन का उपयोग हम अपने लक्ष्य के करीब जाने के लिए कर सकते हैं। यह सकारात्मक सोच से ही संभव होगा, क्योंकि चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता तभी विकसित होती है। हर समस्या, अपना समाधान भी लिए होती है। इसलिए,

बीता साल जैसा भी रहा, उसे धन्यवाद दें कि हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित हुआ। धन्यवाद इसलिए कि बीते साल की सफलताओं ने हमको आत्मविश्वास दिया, खुशियां दीं और असफलताओं ने हमको मजबूत, संवेदनशील और समझदार बनाया।

प्रकृति नित नूतन है। यह नूतनता पुराने के प्रति आग्रह छोड़ने का निमंत्रण है। विगत चाहे स्वर्णकाल रहा हो, हमारी आज की चुनौतियां नई हैं और हमें आज की परिस्थितियों में निखरने के लिए हमेशा अपने मन के द्वार नए के लिए खुले रखने होंगे। विकास की यही परिभाषा है। सिर्फ व्यापार को ही नहीं, मन को भी मुक्त करने की जरूरत है। सभी समस्याओं की जड़ भूत और भविष्य से बंधा हमारा मन ही है, जबकि चुनौतियां वर्तमान की हैं। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

सीखेंगे नित नए कौशल: तेजी से बदलती इस दुनिया में निरंतर सीखना और अपना कौशल विकास करते रहना जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अकसर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना भी हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।

तन-मन का रखेंगे ध्यान: स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी हमारे संकल्प का हिस्सा हो। मौजूदा उन्मादी दौर में मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन सीखना और सकारात्मक मानसिकता विकसित करना आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। हर हाल में अच्छाई खोजना और आशावादी रहना जीवन को रूपांतरित कर देता है। हम सक्षम हैं और सफल होने के योग्य हैं, यह विश्वास सदा बना रहे। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन है कि न तो सफलता अंतिम होती है, न असफलता घातक होती है, असली बात यह है कि आपमें जारी रखने का साहस है या नहीं।

धनार्जन भी है जरूरी: धन भी महत्वपूर्ण है। गरीब रखने वाली विचारधारा से दूर रहें। वित्तीय लक्ष्य तय करें। बचत और निवेश बुद्धिमत्तापूर्वक करें। अनावश्यक खर्चे कम करना भी धन अर्जित करना ही है। लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयास वर्तमान को जाया न कर दें। भविष्य

अनिश्चितताओं से भरा है। अगली पीढ़ी के लिए सब सोचना आपका ही दायित्व नहीं है, अगली पीढ़ी खुद भी अपने लिए करेगी ही। आप अपने वर्तमान को स्वर्णिम बनाएं। जब आप खूब धन कमा लेंगे, एक दिन वही धन ऊब पैदा करने लगेगा। भौतिक धन परमधन को पाने का साधन मात्र रहे। पावर ऑफ मेनिफेस्टेशन का उपयोग केवल धन को आकर्षित करने के लिए न करें। हमारे पास जो कुछ भी है, उसके प्रति कृतज्ञता से जीवन में अच्छाई को आकर्षित करना भी सीखें।

रहेंगे खुद के करीब: समय धन से भी अधिक कीमती है। इसका सदुपयोग करें। आलस्य छोड़ें, तभी हम अधिक उत्पादक और सफल बन पाएंगे। आलस्य छोड़ने का मतलब हर समय व्यस्त रहना नहीं है। आराम और मनोरंजन भी महत्वपूर्ण हैं। संतुलन चाहिए। आत्म-प्रेम समग्र विकास के लिए जरूरी है। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए समय निकालना हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है। लिहाजा, रोजमर्रा के जीवन में कुछ पल ऐसे जरूर हों, जो नितांत निजी हों, जिसमें मोबाइल की भी दखल न हो। अपने लिए समय निकालना जरूरी है। लेकिन यह औरों के बनाए रील्स देखने के लिए न हो। यह समय अपनी पसंद के काम करने, किताबें पढ़ने, संगीत सुनने, ध्यान करने या प्रकृति से जुड़ने का हो जो हमको तरोताजा कर दे।

समाज-पर्यावरण का रखेंगे ध्यान: सभ्य नागरिक अपने समाज और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार होता है। हमारी पृथ्वी रहने लायक बनी रहे, आने वाली पीढ़ियों के लिए हम आदर्श बनें, नया साल इस संकल्प से भरने का समय भी है। जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक कार्यों में भागीदारी आंतरिक संतुष्टि देती है। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें और नई चीजें आजमाने का साहस रखें। जीवन एक साहसिक यात्रा है और नए अनुभव हमें जीवंत और उत्साहित रखते हैं। सच्ची खुशी और संतुष्टि अनुभव, रिश्ते और भीतरी शांति ही देती है।

शांति के लिए करेंगे प्रयास: इस समय दुनिया भर में राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता, अनिश्चितता का माहौल है। भय और चिंता के इस परिदृश्य में, अंतर्मंथन की जितनी जरूरत आज है, पिछले कुछ दशकों में शायद ही रही हो। युद्धों की आहट अनेक आशंकाएं पैदा कर रही हैं। हमारी वास्तविक जरूरत शांति है। शांत मन ही गहरी से गहरी समस्या का सम्यक समाधान तलाश सकता है और एक बेहतर जीवन की ठोस आधारशिला तैयार कर सकता है। विश्व शांति किसी धर्म या हथियार से नहीं, बल्कि जागरूकता से, हृदय से आ सकती है और उसका मार्ग ध्यान है। इसी से मनुष्य, मनुष्य से जुड़ा महसूस करेगा। प्रतिकूल समय में ही ज्ञान, धर्म, साहस और ऊर्जा की परीक्षा होती है। असली ज्ञान, ऊर्जा, धर्म और पराक्रम यह है कि हम जहां भी हों, वहां के आस-पास की प्रकृति कोमल हो जाए। हम जिनके बीच रहें, उनकी भलाई स्वतः प्रकट होने लगे। हमारे भीतर इतनी गहरी शांति उतर आए कि सबके प्रति एक स्वीकार भाव हो। हम इसके लिए अपने स्तर पर अवश्य प्रयास करेंगे, ऐसा संकल्प जरूर लें। तब निश्चय ही आगामी वर्ष खुशहाली से भरपूर होगा। *

विशेष : वैश्विक परिवार दिवस, 1 जनवरी

वर्ष का पहला दिन यानी 1 जनवरी को पूरी दुनिया में ग्लोबल फैमिली-डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार की महत्ता को समझना और पारिवारिक प्रेम-सौहार्द की भावना को व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज, देश ही नहीं पूरे विश्व में प्रसारित करना है।

व्यक्तिगत से वैश्विक कुटुंब तक बना रहे प्रेम-सौहार्द-शांति

आह्वान / शिखर चंद जैन

हर वर्ष 1 जनवरी को ग्लोबल फैमिली-डे यानी वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को एक बड़े वैश्विक परिवार के रूप में जोड़ने के साथ ही उनमें शांति, एकता, प्रेम और सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है।

भारत की प्राचीन अवधारणा: हमारे देश में तो प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को महत्व दिया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक विश्व में ग्लोबल फैमिली-डे मनाने की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र के 'शांति के एक दिन' की विचारधारा से हुई थी। इसे देश, धर्म या नस्ल की सीमाओं से परे सभी लोगों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस प्रकार यह दिन प्रेम और सद्भाव फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम सब एक वैश्विक गांव के ही सदस्य हैं और हमें सभी मतभेदों को भुलाकर एक परिवार की तरह रहना चाहिए। इसके तहत सभी को प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ रहना सिखाया जाता है। दुनिया में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना और युद्ध-हिंसा से बचाना इसका मूल उद्देश्य है।

कब-कैसे हुई शुरुआत: वैश्विक परिवार दिवस मनाने का विचार पिछली सदी में एक किताब से आया था। इसकी शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई, जब 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 को 'शांति की संस्कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक और विश्व के बच्चों के लिए अहिंसा' के रूप में घोषित किया। इस अवधारणा को स्टीव डायमंड और एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित बच्चों की एक किताब 'वन डे इन पीस, जनवरी 01, 2000' से प्रेरणा मिली। इस कहानी में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई थी, जहां लोग 1 जनवरी को अपने सभी मतभेदों को एक तरफ रख देते हैं और भाईचारे की भावना का जश्न मनाते हैं। इसने 'शांति का एक दिन' समारोह की शुरुआत की। 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को शांति लाने के लिए वर्ष का पहला दिन समर्पित करने का औपचारिक निमंत्रण मिला। 2001 में, संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर इस दिन को मान्यता दी, और तब से हर साल 1 जनवरी को यह दिवस मनाया जाता है।

मनाती है पूरी दुनिया: वैश्विक परिवार दिवस का उत्सव भौगोलिक सीमाओं से बंधा नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक उत्सव है। इसे किसी एक देश का पर्व मानने के बजाय, मानवता के प्रति एक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस सरल, सार्थक कार्यों के बारे में ध्यान आकर्षित करता है, जो घर परिवार से लेकर वैश्विक एकता की भावना को दर्शाता है।

परिवार के संग मनाएं यह दिन: यह दिन संघर्षों को भूलकर, एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करने और प्रेम फैलाने पर जोर देता है। इस पूरे दिन आप अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। इसके लिए परिवार के सदस्य एक साथ भोजन कर सकते हैं, कोई सामूहिक खेल, खेल सकते हैं या एक-दूसरे से बात करते हुए अच्छा समय गुजार सकते हैं। आप चाहें तो इस दिन को सामुदायिक सेवा के लिए स्वयंसेवा करके या वैश्विक स्तर पर शांति के लिए काम करने वाली संस्थाओं के लिए श्रमदान करके भी मना सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने ग्लोबल मित्रों की विभिन्न संस्कृतियों, उनकी परंपराओं, व्यंजनों या कहानियों को साझा करके वैश्विक विविधता की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस से अलग: हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई, लेकिन इसे अब दुनिया भर के लगभग हर देश के परिवारों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें हर देश और संस्कृति के लोग शामिल होते हैं। इससे मिलता-जुलता एक और महत्वपूर्ण दिवस अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ फैमिलीज) भी है, जो हर साल 15 मई को मनाया जाता है, इसे भी संयुक्त राष्ट्र ने ही घोषित किया था और यह भी परिवार के महत्व पर केंद्रित है। *

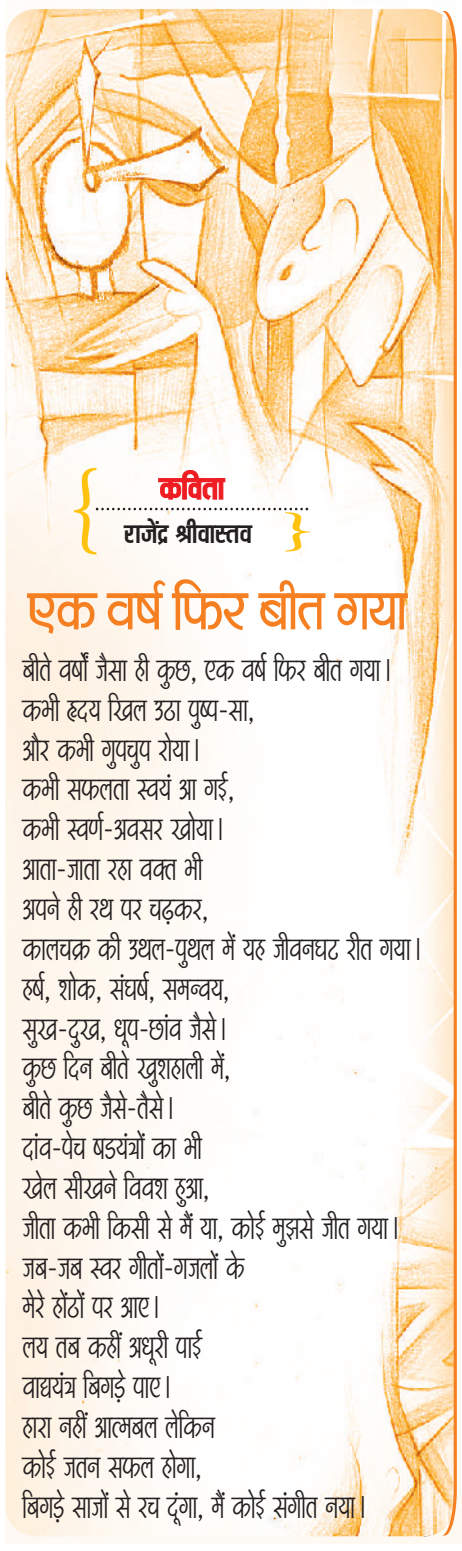

कविता
राजेंद्र श्रीवास्तव

एक वर्ष फिर बीत गया

बीते वर्षों जैसा ही कुछ, एक वर्ष फिर बीत गया।
कभी हृदय खिल उठा पुष्प-सा,
और कभी गुपचुप रोया।
कभी सफलता स्वयं आ गई,
कभी स्वर्ण-अवसर खोया।
आता-जाता रहा वक्त भी
अपने ही रथ पर चढ़कर,
कालचक्र की उथल-पुथल में यह जीवनघट रीत गया।
हर्ष, शोक, संघर्ष, समन्वय,
सुख-दुख, धूप-छांव जैसे।
कुछ दिन बीते खुशहाली में,
बीते कुछ जैसे-तैसे।
दांव-पेंच षड्यंत्रों का भी
खेल सीखने विवश हुआ,
जीता कभी किसी से मैं या, कोई मुझसे जीत गया।
जब-जब स्वर गीतों-गजलों के
मेरे होंठों पर आए।
लय तब कहीं अधूरी पाई
वाद्ययंत्र बिगड़े पाए।
हारा नहीं आत्मबल लेकिन
कोई जतन सफल होगा,
बिगड़े साजों से रच दूंगा, मैं कोई संगीत नया।

व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी

ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं।

ठंड और चोर

इन दिनों ठंड आतंक मचाए हुए है। रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं करता। न नहाने का दिल करता है। जी करता है, पूरे टाइम रजाई में सिकुड़े पड़े रहो। लेकिन मैं दाद देता हूं उन चोरों को, जो भीषण ठंड में भी चोरी कर रहे हैं। ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं। पापी पेट क्या-क्या नहीं करवा लेता। आज के जमाने में चोरी करना पाप कैसे कहा जा सकता है!

बदलते समय के साथ चोरी के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कुछ चोरियां अब ऐसी भी हैं, जिनके लिए घर से बाहर निकलना ही नहीं पड़ता। वे घर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। ऑनलाइन ठगी (चोरी) में कहीं जाने की जरूरत नहीं। कहीं से भी बैठकर किसी के भी बैंक खाते से रुपए उड़ाए जा सकते हैं। ये चोर बेहद शातिर होते हैं। बातें बनाकर फंसाने में माहिर होते हैं। इधर सावधानी घटी, उधर काम तमाम हुआ। लेकिन ऑनलाइन चोर पारंपरिक चोरों की तरह मेहनती नहीं होते। माना कि ऑनलाइन चोरी में मुनाफा अधिक है किंतु जमीनी अनुभव न के बराबर है। ऐसी चोरी भला किस काम की, जिसमें हाथ-पैर न हिलाने पड़ें।

अब तो पारंपरिक चोरों ने भी ऑनलाइन चोरी का रास्ता पकड़ लिया है। वे भी अधिक मेहनत करने से कतराने लगे हैं। चोरी की लाइन में नई पीढ़ी जो आ रही है, उसका झुकाव ऑनलाइन ठगी की तरफ ज्यादा है। चोरी के नए-नए तरीके उसने ईजाद कर लिए हैं। फोन पर लोगों को उल्लू बनाकर खाते से पलभर में रुपया सफा-चट कर रहे हैं।

लेकिन मुझे तो जमीन से जुड़े पारंपरिक चोर ही अधिक पसंद हैं। वे चोरी करते हैं तो लगता है कि वास्तविक चोरी हुई है। चोरी की रपट लिखी जाती है। पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंचती है। चोरी गई चीजों का हिसाब-किताब लगाया जाता है। ध्यान रहे, चोरी में गहने जरूर चुराते हैं। नकदी पर भी हाथ साफ किया जाता है। घर वालों, आस-पड़ोस, नौकर-चाकर से पूछताछ होती है। खबर अखबारों में छपती है। चार जन चाय और पान के खोके पर चर्चा करते हैं। मोहल्ले में दहशत का सा माहौल बनता है। चोरी होने वाले घर का दूर-दूर तक नाम होता है। कुछ भी कहिए, सीन पारंपरिक चोरी में ही बनता है।

विकट ठंड में चोरी कंपकंपी छुड़ा देती है। मगर पापी पेट की खातिर उन्हें यह करना पड़ता है। आखिर उनका भी परिवार है। उन्हें भी अपने शौक पूरे करने हैं। बीवी की पसंद और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का भी ध्यान रखना है। चोरों का भी दिल होता है। मैंने कहानियों में कई ऐसे चोरों के बारे में सुन रखा है, जो चोरी की कमाई गरीबों में बांट दिया करते थे। कभी निम्न वर्ग को परेशान नहीं करते थे। उनके टारगेट पर हमेशा धन्नासेठ ही रहा करते थे। कितने दयावान चोर थे वे। मेरा मानना है कि चोरी करना, कविता या व्यंग्य लिखने से कहीं कठिन काम है। जितनी अक्ल चोरी करने में लगानी पड़ती है न, उतनी गणित के सवाल हल करने में नहीं। लेकिन लोग हैं कि चोरों को हमेशा बद-दुआएं देते हैं। कभी उनका आदर-सम्मान नहीं करते। चोर हैं तो क्या, इंसान तो वे भी हैं। इतना तय है कि धरती से जैसे भ्रष्टाचार कभी नहीं मिट सकता, वैसे ही चोरी भी कभी खत्म नहीं हो सकती। चोरों में भी नई-नई नस्लें आती रहेंगी। नए-नए तरीके चोरी के ईजाद किए जाते रहेंगे परंतु चोरियां खत्म कभी न होंगी। ठंड के मौसम में चोरी करना निश्चित ही कर्रा काम है। मेरे विचार में ऐसे वीर चोरों को कोई न कोई पुरस्कार भी जरूर मिलना चाहिए! नहीं क्या...! *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

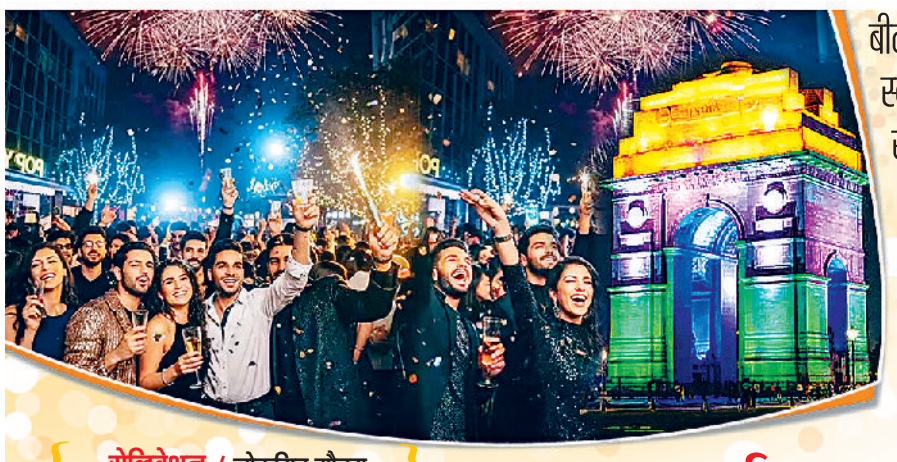

बीत रहे साल की विदाई और नए साल के स्वागत का जश्न पूरी दुनिया में उत्साह-उमंग से मनाया जाता है। अपने देश में भी न्यू ईयर ईव को पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। देश के अलग-अलग स्थानों, खासकर टूरिस्ट प्लेसेस पर कैसी हो रही न्यू ईयर ईव के जश्न की तैयारी, आप जरूर जानना चाहेंगे।

सेलिब्रेशन / लोकमित्र गौतम

न्यू ईयर ईव का जश्न हो रही तैयारी जोरदार

साल 2025 विदा होने वाला है। इसके साथ ही नया साल 2026 आने के लिए तैयार है। बीते साल की विदाई और नए साल के स्वागत में पूरी दुनिया में दिसंबर माह के आखिरी सप्ताह में जश्न का माहौल रहता है। अपने देश में भी क्रिसमस के बाद सड़कों पर शाम होते ही रोशनी जगमगाने लगती है। बाजारों में चहल-पहल बढ़ जाती है और हर जगह अलविदा-ए-जश्न के रंग-बिरंगे पोस्टर चस्पा हो जाते हैं। वास्तव में अब नए वर्ष का स्वागत, धर्म-समुदाय से ऊपर उठकर साझे जश्न का पर्व बनकर उभरा है। यही कारण है कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक दुनिया के हर कोने में 31 दिसंबर की रात जश्न की रात होती है। हर साल की तरह इस साल भी नए साल के स्वागत में जश्न मनाने के लिए तैयार देश के कई शहर खासतौर पर तैयार हो रहे हैं।

दिल्ली हेरिटेज स्टाइल का सेलिब्रेशनः दिल्ली की सर्दी और न्यू ईयर के जश्न का जादू एक ऐसा सदाबहार कॉम्बिनेशन है, जिसका कहीं से कोई मुकाबला नहीं। इंडिया गेट के आस-पास होने वाले लाइट शो, राजपथ के कैफे में थीम नाइट्स और फाइव स्टार होटलों में क्लासिक फ्यूजन, न्यू ईयर ईव डिनर, सब सेलिब्रेशन मोड पर पहुंच चुके हैं। दिल्ली की खासियत है, यहां लोगों की गैदरिंग और

पसंद के हिसाब से हर तरह की पार्टियों का आयोजन किया जाता है। चाहे रॉयल हो या आधुनिक, शांत या उत्साह के शोर से भरपूर। यहां न्यू ईयर ईव के जश्न का हर रंग मौजूद होता है। जिसे यहां आकर ही फील किया जा सकता है।

गोवा सजने-संवरने लगे हैं सी-बीचः गोवा के समुद्रतटों पर नए साल के जश्न की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि गोवा की सागरतटीय रेत, इस बार भी विदाई पार्टियों की राजधानी बनेगी। अलग-अलग स्पेशल शोज के साथ निजी बीच क्लबों की झूमती डीजे नाइट्स की टिकटें रिकॉर्ड बुकिंग के साथ बीते सालों की तरह अपने मेहमानों का इंतजार कर रही हैं। लहरों पर लरजती रोशनी, रात भर मस्ती के आलाप में मगन रहने वाली धुनें और समुद्र के किनारे का काउंटडाउन, यही है गोवा के न्यू ईयर ईव के जश्न का जलवा। गोवा प्रायः हर साल ही देश में खासतौर पर जश्न-ए-विदाई का मेन सेंटर बन जाता है।

मुंबई सपनों के शहर में शानदार स्वागतः गेट वे ऑफ इंडिया की भव्य लाइटिंग, मरीन ड्राइव के किनारे लोगों का हुजूम और क्लबों में थिरकती थीम पार्टियां। मुंबई 2025 की विदाई के लिए क्रिस्टल काउंटडाउन थीम डिसाइड की गई है। न्यूऑन सेटअप, हाई वोल्टेज म्यूजिक और मध्य रात की आतिशबाजियां मिलकर, इस शहर की तेज रफ्तार

जिंदगी को कुछ और ही रहस्यमयी रौनक से लबरेज करती हैं। यहां सिर्फ पार्टियां ही नहीं होतीं, एक ग्लोबल तेवर के साथ नए साल का सेलिब्रेशन भी संपन्न होता है।

पुडुचेरी सौम्य-संस्कारों भरी विदाईः जो लोग शांति और सौम्यता में खुशी का एहसास करना चाहते हैं, उनके लिए उपयुक्त जगह है पुडुचेरी। पुडुचेरी भी साल 2025 की विदाई पार्टियों की तैयारी जोर-शोर से पूरी करने में लगा है। फ्रेंच क्वार्टर्स में जैज नाइट्स, आश्रमों में मेडिटेशन संध्या और रॉक बीच पर कैंडल-लिट-वॉक, ये सब यहां की न्यू ईयर हलचल को एक अलग ही रंग देते हैं। यहां का जश्न उन लोगों की पहली पसंद होता है, जो साल का स्वागत शोर से नहीं, अपने भीतर की गूंजती शांति और दमकती आभा के साथ करना चाहते हैं।

शिमला-मनाली बर्फ की चादर में खुशियों के रंगः उत्तर भारत के पर्वतीय शहरों में शिमला जैसा नए साल के उत्सव का जलवा किसी दूसरे शहर को नसीब नहीं है। इस बार यहां स्नो फेयरवेल नाइट्स की जोरदार तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। शिमला का ही एक्सटेंशन मनाली को माना जाता है। इसलिए इसे शिमला-मनाली जश्न की संज्ञा दी जाती है। यहां 31 दिसंबर की रात अकसर बर्फबारी होती है और यही इस जश्न का क्लाइमेक्स होता है। बर्फबारी के बीच अलाव, मध्यम संगीत और लग्जरी कैंप, मनाली-शिमला जश्न के रंग बिल्कुल अलग हैं। यहां न्यू ईयर की पार्टियों का जश्न दिलों में गमाईश भरता है, जिसे शब्द बयां नहीं कर सकते।

बैंग्लुरु तारों की छांव में संगीतमय विदाईः हाल के वर्षों

में बैंग्लुरु युवाओं का शहर कहा जाने लगा है और यह हर बार पुराने नियम तोड़कर नए नियम गढ़ता है। इस बार भी इसकी नए साल के जश्न की तैयारी भरपूर हो चुकी है। देश के सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले इस शहर में ओपन एयर वेन्यू और रूफ टॉप्स पर इंटी बैंड्स पार्टियों की भरपूर तैयारी है। लाइव डीजे सेट, क्राफ्ट ब्रुअरी नाइट की तैयारियां अपने चरम पर हैं। टेक सिटी का यह अंदाज यहां आने वाले मेहमानों को याद दिलाता है कि नया साल सिर्फ पार्टी नहीं, एक नया और युवा जोश का जश्न है। *

तब न्यू ईयर बन जाएगा हेल्दी-हैप्पी-सक्सेसफुल

नया साल शुरू होने में कुछ ही दिन बचे हैं। आप जरूर सोच रहे होंगे कि आने वाले साल में ऐसा क्या करें, जिससे पूरा साल आपके लिए हेल्दी, हैप्पी और सक्सेसफुल साबित हो। हम दे रहे हैं, इससे रिलेटेड सजेशंस।

सजेशन / अंजू जैन

जाता हुआ साल हमारे मन में कुछ शिकायतें और अधूरी उम्मीदें छोड़ जाता है। बीता हुआ वक्त तो वापस आ नहीं सकता, इसलिए उसके बारे में सोचकर परेशान होने की बजाय हम बीते साल की कमियों और गलतियों की समीक्षा करें और आने वाले साल उन्हें सुधार लें तो हम नव वर्ष को हैप्पी बना सकते हैं।

रिलेशनशिप में बनी रहे गर्माहट

हमारे इर्द-गिर्द रहने वाले मित्र, परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, सहकर्मी, सहपाठी, बिजनेस पार्टनर और पड़ोसी आदि हमारे जीवन को काफी हद तक प्रभावित करते हैं। इन सारे रिश्तों पर सरसरी तौर पर नजर डालें और समीक्षा करें। विचार करें कि आपने इनके लिए पूरे साल क्या किया और बदले में उन्होंने आपके साथ कैसा व्यवहार किया?

एक्शनः नए साल में इन सारे रिश्तों को आप प्राथमिकता के आधार पर कैटेगराइज करें। जिनसे आपको नेगेटिव रिएक्शन मिला, उन्हें सबसे निचले पायदान पर रखें। सहयोगी, स्नेहिल और केयरिंग लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता की श्रेणी में रखें। तय कर लें कि इस साल आपको सिर्फ पॉजिटिव एटीट्यूड और सपोर्टिंग नेचर वाले रिलेशंस को मेंटेन करने में ही अपनी एनर्जी का उपयोग करना है। इससे आप साल भर इमोशनली खुश रहेंगे, आपका सपोर्ट सिस्टम स्ट्रॉन्ग होगा और रिश्ते भी इंप्रूव होंगे।

फिजिकल-मेंटल हेल्थ का रखें ध्यान

अपनी हेल्थ को लेकर खुद से कुछ बुनियादी सवाल पूछें। आपने अंतिम बार कब अपना बीपी चेक करवाया था? आपके हार्ट की हेल्थ का क्या हाल है? क्या आप मॉर्निंक वॉक, वर्कआउट या किसी फिजिकल एक्टिविटी में इंवॉल्व हैं? क्या आपको रात को ठीक से नींद नहीं आती है? इन सवालों के जवाब ईमानदारी से दें और अगर जवाब निराशाजनक हैं, तो अब आपको एलर्ट हो जाना चाहिए।

एक्शनः इस बात का इंतजार न करें कि आपको बड़ी बीमारी घेर ले। ज्यादा देर न करके साल की शुरूआत में ही अपने जनरल फिजिशियन से मिलें और अपना हेल्थ चेक करवाएं। पक्का निश्चय कर लें कि आप रोज 30 मिनट किसी न किसी प्रकार की फिजिकल एक्टिविटी में जरूर इंवॉल्व होंगे। स्मार्टफोन का सीमित और जरूरी प्रयोग करेंगे और नशे से दूर रहेंगे। मेडिटेशन से मानसिक स्वास्थ्य भी दुरुस्त रखेंगे।

फाइनेंस इश्यूज को ना करें इग्नोर

हर नए साल में आपको चाहिए कि आप अपनी वित्तीय स्थिति पर गंभीरतापूर्वक विचार करें। वित्तीय रूप से सुरक्षित भविष्य के लिए फाइनेंस इश्यूज को इग्नोर ना करें।

एक्शनः फाइनेंस से जुड़े अपने कमजोर पहलुओं को समझें। इस साल के लिए कुछ वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें हासिल करने की प्लानिंग भी बनाएं। घर में सबके लिए हेल्थ इश्योरेंस और अपने लिए रिटायरमेंट प्लान सुनिश्चित करें।

करियर को दें नई दिशा

अगर बीते साल आपका करियर आपकी उम्मीदों के मुताबिक परिणाम देने वाला नहीं रहा। आपकी नई जॉब पाने की कोशिशें असफल हो गईं। ऐसे में वक्त है एलर्ट होने का।

एक्शनः नए साल में आपका करियर और आत्मविश्वास डांवाडोल न रहें, इसके लिए सबसे पहले खुद को अपडेट करें। अपने प्रोफेशन से जुड़ी नवीनतम जानकारियां हासिल करें। कोई नई स्किल सीखें। अपनी पर्सनालिटी में निखार लाएं। कम्यूनिकेशन स्किल इंप्रूव करें। अपना रेज्यूमे अच्छी तरह से दोबारा तैयार करें। लगातार जॉब हंटिंग करते रहें। अपने बॉस और कलीग्स के साथ रिश्तों को सुधारें।

सबसे जरूरी है आत्मसंतुष्टि

अगर आपने पूरा वक्त सिर्फ दूसरों को खुश करने में बिता दिया तो समझ लीजिए कि आपने जिंदगी को बिताया है, जिया नहीं है। जिंदगी आपकी है, इसलिए आपको खुद को खुश करने का पूरा हक है।

एक्शनः हर रोज कम से कम दो घंटे अपनी खुशी के लिए कुछ करें। चाहे वह आपकी हॉबीज को अटेंड करने की बात हो या फिर अपने अरमान पूरे करने की। हर किसी को खुश करने की आदत छोड़ें और सिर्फ उनकी परवाह करें जिनके नाराज होने से आपको वाकई फर्क पड़ता हो।

बस, इन बातों का ध्यान रखकर, इन्हें अमल में लाकर आप अपने नए साल को खुशहाल बना सकते हैं। *

किसी देश की तरक्की मापने का एक पैमाना यह भी होता है कि उस देश ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कितनी तरक्की की है? भारत के लिए विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्वर्णिम उपलब्धियों से भरा रहा साल 2025। इस वर्ष देश की उपलब्धियों पर एक नजर।

साइंस और टेक्नोलॉजी-2025

साल की शानदार अचीवमेंट्स

साइंस-टेक
संजय श्रीवास्तव

इस साल हमने दुनिया को यह दिखा दिया कि विज्ञान, तकनीक और उससे जुड़े क्षेत्रों में प्रगति के मामले में हम किसी के कम नहीं। इस साल देश ने विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण तथा कृषि जैसे क्षेत्रों में जो उपलब्धियां हासिल कीं वे अभूतपूर्व हैं। भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा संबंधित क्षेत्रों में जिस तरह प्रगति कर रहा है, जल्द ही वह संसार के चुनिंदा विकसित देशों की बराबरी करने लगेगा। बेशक इसमें सरकार की नीतियों, हमारे वैज्ञानिकों और संस्थाओं का सम्मिलित प्रयास शामिल है लेकिन हमें अपने शिक्षा संस्थानों का योगदान भी नहीं भूलना चाहिए।

शुभांशु शुक्ला ने किया गौरवान्वितः शुभांशु शुक्ला इस वर्ष देश ही नहीं, दुनिया भर में चर्चा के केंद्र में रहे। एक्सिओम-4 मिशन का हिस्सा बने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने।

युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोरः इस बार राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय था, 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'। यह देखना सुखद था कि सरकार ने इस नारे के उद्देश्य को जमीन पर उतारा तथा युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर दिया। इसके चलते नवाचारों में उल्लेखनीय बढ़त दिखी। सरकार का सबसे ज्यादा जोर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, एआई तथा अन्य महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों पर रहा। सरकार ने वैश्विक आपूर्ति श्रंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और सामरिक आत्मनिर्भरता हासिल करने, अपनी चिप विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए भी भारी निवेश इस वर्ष किया।

नवाचार की दिशा में बढ़े कदमः एआई और स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए इस साल कई नीतियां और प्रोत्साहन कार्यक्रम लागू किए गए। एसईआरबी का नाम बदलकर 'विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड और नवाचार', यानी 'एसआरबीआई' कर दिया गया। अब यह अकादमिक अनुसंधान को वित्तपोषित करने के साथ-साथ बाजार-आधारित नवाचारों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसका नतीजा भी इसी साल दिखा, देश ने अंतरिक्ष मिशनों के लिए डिजाइन किया अपना पहला स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर 'विक्रम 32' विकसित और प्रदर्शित किया गया। यह उपलब्धि देश को सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएगा। इससे देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रक्षा प्रणालियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित हो सकेगा।

इसरो की उल्लेखनीय उपलब्धियांः हर साल की तरह अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित होने के कई अवसर दिए। इसरो ने इस वर्ष की शुरुआत में 16 जनवरी को, अपना पहला ऑन-ऑर्बिट डॉकिंग प्रयोग स्पेडेक्स सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसके तहत लगभग 28,400 किमी प्रतिघंटा की गति से यात्रा करने वाले दो उपग्रहों को साथ लाकर डॉक किया। ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया। 30 जुलाई को जीएसएलवी एफ 16 रॉकेट के माध्यम से नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार, निसार उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया जो पृथ्वी अवलोकन उपग्रह आपदा प्रबंधन, पारिस्थितिकी तंत्र निगरानी और जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में मदद करेगा। अभी कुछ ही दिन पहले अमेरिका के करीब छह टन वजनी संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। कुल मिलाकर भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में और मजबूत करने वाले इसरो ने 2025 में 200 से अधिक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं।

डीआरडीओ ने बढ़ाई रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरताः रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और टाटा जैसे स्वदेशी तकनीकी स्टार्टअप्स ने मिलकर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की। इन उपलब्धियों ने थलसेना, वायुसेना और नौसेना की परिचालन क्षमताओं को काफी बढ़ाया। 2 दिसंबर 2025 को डीआरडीओ ने सशस्त्र बलों को घरेलू स्तर पर विकसित सात प्रौद्योगिकियां सौंपीं। टाटा-डीआरडीओ ने जल, थल दोनों पर चलने वाला बख्तरबंद वाहन विकसित किया है, इसके द्वारा विकसित इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित हथियार प्रशिक्षण प्रणाली और युद्ध सिमुलेशन ने प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बना दिया। डीआरडीओ ने वायु सेना के लिए एयरबोर्न सेल्फ-प्रोटेक्शन जैमर हेतु स्वदेशी हाई-वोल्टेज बिजली आपूर्ति प्रणाली विकसित किया। भारतीय नौसेना को डीआरडीओ ने ऐसी समुद्री जल बैटरी प्रणाली सौंपी है कि वह पानी के भीतर लंबी अवधि तक रह सकती है।

तकनीकी क्षेत्र में अन्य उपलब्धियांः आईआईटी मुंबई के शोधकर्ताओं ने इस वर्ष देश का पहला स्वदेशी 'क्वांटम डायमंड माइक्रोस्कोप' विकसित किया, जो सूक्ष्म चुंबकीय क्षेत्रों का सटीक पता लगाने में सक्षम है। यह क्वांटम प्रौद्योगिकी के वैश्विक विकास में भारत के योगदान को मजबूत करता है। नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग ने भी इस साल उल्लेखनीय प्रगति की है।

कृषि क्षेत्र में इस साल एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी तकनीक का इस्तेमाल कर प्रेसिजन एग्रीकल्चर और जीन एडिटिंग, बायोफोर्टिफाइड बीज आधारित खेती को व्यापक रूप से अपनाया गया। इससे फसलों की पैदावार बढ़ेगी तो पानी जैसे कृषि संसाधनों की खपत में कमी आएगी। कुल मिलाकर यह कह सकते हैं कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीता साल बहुत उत्साहवर्धक और प्रेरक रहा। *

बॉलीवुड-2025
कैलाश सिंह

इस साल थिएटर-ओटीटी पर किन फिल्मों ने मचाया धमाल

बीत रहे साल में जहां कुछ फिल्मों ने उम्मीद से अधिक सक्सेस हासिल की, वहीं कुछ बिग बजट-बैनर की फिल्में भी कोई कमाल नहीं दिखा सकीं। फिल्मों के प्रति दर्शकों के टेस्ट में आए बदलाव की वजहें और इस साल रिलीज फिल्मों-ओटीटी शोज पर एक नजर।

'सैयारा' दर्शकों ने खूब किया पसंद

'कांतारा' साल की सबसे सफल फिल्मों में से एक

बीते कई सालों की तरह 2025 भी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए मिला-जुला रहा। कई बड़े बजट की फिल्में फ्लॉप रहीं तो कुछ छोटे बजट की फिल्में भी सक्सेसफुल रहीं। इस साल थिएटर में फिल्म देखने के संदर्भ में दर्शकों की घटती रुचि के बारे में कई प्रकार की चर्चाएं भी हुईं। सिनेमाघर मालिक सारे साल यह बहस करते रहे कि दर्शकों का थिएटर से दूर होने के पीछे का असल मुद्दा, फिल्मों का निरंतरता के साथ रिलीज न होना है। हाल के वर्षों में सात फिल्मों ने 500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की, जिससे सिद्ध होता है कि अच्छी फिल्मों की मांग अब भी बहुत है। लेकिन जब एक के बाद दूसरी रिलीज में बहुत फासला बढ़ जाता है, तो दर्शकों की सिनेमाघर में आने की दिलचस्पी कम हो जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर फिल्म निरंतरता के साथ रिलीज हों तो कंडीशन सुधर सकती है। कई वितरकों का तर्क है कि अधिक टैक्स के कारण टिकट्स के दाम बढ़ गए हैं, जिससे दर्शक सिनेमाघरों की तरफ कदम नहीं बढ़ा रहे हैं।

'धुरंधर' रही साल की सर्वाधिक सफल फिल्म

बदल रही दर्शकों की पसंदः चेन्नई के एक कार्यक्रम में अभिनेता कमल हासन ने कहा, 'आज क्षेत्रीय, नया राष्ट्रीय बन गया है और देशज, नया अंतरराष्ट्रीय। जो कहानियां मदुरै, मालाप्पुरम, मांड्या या मछलीपट्टनम में जन्म ले रही हैं, वह अब क्षेत्रीय सिनेमा नहीं है, वे राष्ट्रीय सांस्कृतिक घटनाएं हैं। एक फिल्म जिसकी जड़ें तटीय कर्नाटक में हैं जैसे 'कांतारा', पूरे देश में पसंद की जाती है।' भारतीय मनोरंजन के बदलते लैंडस्केप और ओटीटी की बढ़ती प्रासंगिकता के बारे में हासन का कहना है, 'भारत का मीडिया और मनोरंजन बदल रहा है। आज की कहानियां वास्तव में दर्शक के साथ यात्रा करती हैं।'

नहीं चला कोई स्पेशल जॉनरः इस साल दर्शकों द्वारा पसंद की गई फिल्मों की बात करें तो हॉरर जॉनर ने प्रभाव अवश्य छोड़ा, लेकिन किसी विशेष जॉनर ने सिनेमा में राज नहीं किया। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में हॉलीवुड की अलग-अलग जॉनर की फिल्में देश के विभिन्न हिस्सों में रिलीज की गईं, लेकिन अतीत की तरह किसी खास जॉनर- हॉरर, ड्रामा या सुपरहीरो ने सफलता की गारंटी नहीं दी। आज दर्शक बहुत अधिक चूजी हो गए हैं और सिनेमाघर में तभी जाते हैं, जब फिल्म उनकी उम्मीदों के अनुरूप हो। इस नजरिए से 'इंटरस्टेलर' के री-रिलीज को देख सकते हैं, जो भारत में 2025 में सबसे अधिक कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बनी और नई रिलीज से भी आगे निकल गई। 'इंटरस्टेलर' के अतिरिक्त जिन ग्लोबल फिल्मों को इस साल पसंद किया गया वे हैं, 'एफ1,' 'जुरासिक वर्ल्ड', 'मिशन इंपॉसिबल', 'द कांजुरिंग 4', 'डेमन स्लेयर' और 'फाइनल डेस्टिनेशनः ब्लडलाइंस।'

इस साल रिलीज सफल फिल्मेंः बात अगर इस साल रिलीज देश में बनी सफल फिल्मों की करें तो 'कांताराः ए लीजेंड चैप्टर 1' भारतीय दर्शकों की सबसे पसंदीदा फिल्म बनी। इस फिल्म को 6 लाख लोगों ने दोबारा देखा। एडवांस बुकिंग की बात करें तो 'कुली' फिल्म की 2.4 मिलियन सीटें पहले से रिजर्व की गईं। अन्य फिल्में, जिन्हें दर्शकों ने इस साल खूब पसंद किया वो थीं, 'छावा', 'सैयारा', 'महावतार नरसिम्हा', 'लोखा', 'थुदारुम', 'वॉर-2', 'सितारे जमीन पर' और 'धुरंधर'।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शनः बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो दशहरे के सप्ताहंत पर सबसे ज्यादा फिल्में देखी गईं। उस दौरान 6.3 मिलियन टिकट बिके, जो फिल्में अक्टूबर 2025 में रिलीज हुईं, उन्होंने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1,669 करोड़ रुपए की कमाई की। जनवरी से अक्टूबर 2025 तक कुल मिलाकर 11,077 करोड़ रुपए की कमाई हुई, जोकि 2024 की इसी अवधि की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक रही। अभी तक सबसे अधिक कमाई (735 करोड़ रूपए) 'कांताराः ए लीजेंड चैप्टर 1' ने की। हालांकि 'धुरंधर', बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बेस पर 'कांतारा' को भी पीछे छोड़ कर इस साल की सबसे अधिक कमाई वाली फिल्म बन गई है।

री-रिलीज फिल्में भी की गईं पसंदः इस साल बॉक्स ऑफिस पर पुरानी री-रिलीज फिल्मों का भी बोलबाला रहा। इन फिल्मों ने नॉस्टैल्जिया की वजह से दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस सिलसिले में हैदराबाद भारत का री-रिलीज कैपिटल रहा। 'ये जवानी है दीवानी', 'सनम तेरी कसम', 'सालार', 'आदू' और 'रामाबनम' जैसी टॉप थ्रोबैक फिल्में सबसे सफल रहीं। *

टॉप ट्रेंडिंग ओटीटी शोज

बीते कुछ वर्षों में एंटरटेनमेंट की एक समानांतर दुनिया विकसित हुई है। इन दिनों थिएटर में रिलीज फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी शोज को भी दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड', 'ब्लैक वारंट', 'पाताल लोक (सीजन 2)', 'पंचायत (सीजन 4)', 'मंडाला मर्डर्स', 'खौफ', 'स्पेशल ऑप्स (सीजन 2)', 'खाकी : द बंगाल चैप्टर', 'द फैमिली मैन (सीजन 3)' और 'क्रिमिनल जस्टिसः ए फैमिली मैटर' जैसे ओटीटी शोज को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

दर्शकों को भाया 'द फैमिली मैन' (सीजन 3)